सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

वर्ष- 17 अंक - 144 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, सोमवार 09 मार्च 2026 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

भारत ने लिखा नया अध्याय, तीसरी बार बना टी20 चैंपियन

लगा बधाइयों का तांता : पीएम मोदी ने कहा- शाबाश टीम इंडिया.. सीएम साय ने भी दी बधाई

अहमदाबाद। भारत ने न्यूजीलैंड को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले गए फाइनल में हराकर खिताब जीत लिया है। न्यूजीलैंड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का निर्णय लिया। भारत की ओर से अभिषेक शर्मा व संजू सैमसन ने तेज तर्रार शुरुआत दी और 6 ओवरों में ही 92 रन बना दिए। इसके बाद ईशान ने तेज रन बनाए। भारतीय टीम 20 ओवरों में 255 रन बनाए। जवाबी पारी खेलते हुए न्यूजीलैंड की पूरी पारी 159 रनों पर सिमट गई। भारत 96 रनों से बड़ी जीत दर्ज की। जसप्रीत बुमराह ने 4 विकेट चटकाए। उन्हों प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। वहीं लगातार तीन मैचों में तीन अर्धशतक बनाने वाले संजू को प्लेयर ऑफ द सीरीज चुना गया।

तीसरी बार विजेता बना है भारत

भारतीय टीम तीन बार टी20 विश्व कप का खिताब अपने नाम कर चुकी है। भारत ने 2007 में महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी में पाकिस्तान को हराकर खिताब अपने नाम किया था। वहीं, 2024 में टीम ने रोहित शर्मा की अगुआई में दक्षिण अफ्रीका को हराकर ट्रॉफी अपने नाम की थी। अब भारत ने सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में न्यूजीलैंड को हराकर तीसरी बार खिताब जीत लिया है। टूर्नामेंट के इतिहास में अब तक कोई भी टीम खिताब का बचाव नहीं कर सकी थी, लेकिन भारत ने यह कारनामा करके दिखाया।

हर भारतवासी को गौरवान्वित किया : सीएम साय

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने टीम इंडिया को बधाई देते हुए कहा कि टीम इंडिया के हमारे धुरंधरों ने एक बार फिर विश्व कप का खिताब जीतकर हर भारतवासी को गौरवान्वित किया है। इस जीत के साथ ही भारत यह खिताब 3 बार जीतने वाला पहला देश बन गया है। भविष्य में भी हमारा तिरंगा यूं ही विश्व मंच पर शान से लहराता रहे और भारत का गौरव निरंतर बढ़ता रहे।

असाधारण कौशल का प्रतीक : पीएम मोदी

प्रधानमंत्री मोदी ने टीम इंडिया को बधाई दी। उन्होंने अपने एक्स हैंडल से पोस्ट किया, 'आईसीसी मेंस टी20 वर्ल्ड कप जीतने पर भारतीय टीम को हार्दिक बधाई! यह शानदार जीत असाधारण कौशल, दृढ़ संकल्प और टीम वर्क का प्रतीक है। उन्होंने पूरे टूर्नामेंट में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है. इस जीत ने हर भारतीय के दिल को गर्व और खुशी से भर दिया है। शाबाश, टीम इंडिया!'

अमेरिका-इजरायल और ईरान युद्ध से तेल की कीमतों में आग.. 2022 के बाद पहली बार कीमत 100 डॉलर के पार

नई दिल्ली ए.। अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच जारी युद्ध ने दुनिया की टेंशन को चरम पर पहुंचा दिया है। और इसका जरिया बना है कच्चा तेल। जी हां, जंग के तेज होने से कच्चे तेल की ग्लोबल कीमतों में आग लगी हुई है और क्रूड ऑयल साल 2022 के बाद पहली बार 100 डॉलर प्रति बैरल के पार निकल गए हैं। तमाम देश क्रूड ऑयल के आयात पर निर्भर हैं और कीमतों में आए इस उछाल के बाद इनकी मुसीबतें बढ़ती नजर आ रही हैं। पाकिस्तान, बांग्लादेश में तो हालात अभी से बदतर हो चुके हैं।

क्रूड ऑयल की कीमतों में सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सोमवार को भारी उछाल देखने को मिला है और ब्रेंट क्रूड की दरें करीब 25 प्रतिशत चढ़कर 115 डॉलर प्रति बैरल के पार निकल गया। डब्ल्यू टीआई क्रूड में भी झटके में 24 फीसदी की तेजी आई और ये 112 डॉलर प्रति बैरल के पार निकलकर ट्रेड कर रहा था। मर्बन क्रूड करीब 18 फीसदी की तेजी के

साथ 120 डॉलर प्रति बैरल, तो वहीं नेचुरल गैस की कीमत में भी लगभग 8 फीसदी का उछाल दर्ज किया गया।

पेट्रोल-डीजल महंगे, पंपों पर लगी लंबी कतारें

अमेरिका में उत्पादित कच्चे तेल, वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट की कीमत लगभग 106.22 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल दर्ज की गई, जो बीते शुक्रवार को 90.90 डॉलर पर बंद हुई थी। क्रूड ऑयल आखिरी बार 30 जून 2022 को 100 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर पहुंचे थे और इसके बाद पहली बार इस आंकड़े के पार निकले हैं।

जंग ने लगाई तेल की कीमतों में आग, पाक-बांग्लादेश में हाहाकार

क्रूड ऑयल के दरों में इस ताबड़तोड़ तेजी के पीछे की सबसे बड़ी वजह मिडिल ईस्ट में जारी जंग और इससे बड़े तेल उत्पादक व सप्लायर्स द्वारा तेल सप्लाई रोकने के ऐलान हैं। कुवैत ने तेल व गैस सप्लाई रोकने की धमकी दी है। कच्चे तेल के दाम में लगी ग्लोबल आग का असर कई देशों पर नजर आने लगा है। पाकिस्तान में तेल संकट का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि यहां पेट्रोल-डीजल के दाम में तगड़ा इजाफा किया गया है और पाकिस्तान में पेट्रोल 336 पीकेआर प्रति लीटर, जबकि हाई स्पीड डीजल का भाव 321 पाकिस्तानी रुपये प्रति लीटर पर पहुंच चुका है।

छत्तीसगढ़ में बनेगा कर्मचारी चयन मंडल: सरकार के पास भेजा गया प्रस्ताव एक ही परीक्षा से भरे जाएंगे कई विभागों के पद

- विधानसभा में रखा जा सकता है प्रस्ताव

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में सरकारी नौकरियों की भर्ती प्रक्रिया में बड़ा बदलाव होने जा रहा है। राज्य सरकार कर्मचारी चयन मंडल बनाने की तैयारी कर रही है, जो केंद्र के कर्मचारी चयन आयोग की तर्ज पर काम करेगा। इसके लिए प्रस्ताव सरकार के पास भेज दिया गया है। यदि इसे मंजूरी मिलती है तो भविष्य में समान योग्यता वाले पदों के लिए अलग-अलग विभागों की परीक्षाएं आयोजित नहीं करनी पड़ेंगी।

बताया जा रहा है कि राज्य में बनने वाला यह मंडल अलग-अलग विभागों की भर्ती प्रक्रिया को एक मंच पर लाने का काम करेगा। अभी अलग-अलग विभाग

अपने स्तर पर भर्ती परीक्षाएं आयोजित करते हैं, जिससे अभ्यर्थियों को कई परीक्षाएं देनी पड़ती हैं। सरकार को भी बार-बार परीक्षा आयोजित करनी पड़ती है। नई व्यवस्था लागू होने पर संयुक्त परीक्षा प्रणाली लागू करने की योजना है।

मिली जानकारी के अनुसार छत्तीसगढ़ कर्मचारी चयन मंडल गठन का प्रस्ताव जल्द विधानसभा में रखा जा सकता है। प्रस्ताव पारित होने पर राज्य की भर्ती प्रक्रिया अधिक व्यवस्थित और पारदर्शी बन सकती है। फिलहाल, प्रदेश में सरकारी भर्तियों के लिए मुख्य रूप से छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग और व्यापमं के माध्यम से करीब 30 तरह की परीक्षाएं आयोजित होती हैं। नए प्रस्ताव में इन परीक्षाओं को अलग-अलग श्रेणियों में बांटकर समान योग्यता वाले पदों के लिए एक संयुक्त परीक्षा कराने की योजना है।

सरकार का मानना है कि नई व्यवस्था लागू होने पर भर्ती प्रक्रिया सरल, तेज और पारदर्शी बनेगी। साथ ही अभ्यर्थियों को भी अलग-अलग परीक्षाओं की तैयारी और आवेदन की परेशानी से राहत मिलेगी। इससे समय और खर्च दोनों कम होंगे।

सीएम साय ने की थी समीक्षा

बताया जा रहा है कि हाल ही में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने मंत्रालय में भर्ती परीक्षाओं की समीक्षा की थी। जिसमें सामने आया कि समान योग्यता वाले पदों के लिए कई विभाग अलग-अलग परीक्षाएं कराते हैं। जिससे उम्मीदवारों पर अतिरिक्त बोझ पड़ता है। इसी वजह से भर्ती प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी, निष्पक्ष और समयबद्ध बनाने के लिए कर्मचारी चयन मंडल गठन की पहल शुरू हुई है।

दिल्ली शराब नीति केस : सीबीआई की अपील पर हाईकोर्ट में होगी सुनवाई

नई दिल्ली ए.। दिल्ली हाइकोर्ट आज दिल्ली शराब नीति केस में सेंट्रल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशनकी अपील पर सुनवाई करेगा। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने 27 फरवरी को मामले में आरोपी बनाए गए दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल, पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिय समेत 23 लोगों को बरी कर दिया था।

फैसला आने के 6 घंटे के बाद ही सीबीआई ने इसके खिलाफ हाइकोर्ट में अपील कर दी थी। सीबीआई ने निचली अदालत के आदेश को चुनौती देते हुए हाईकोर्ट से इसे रद्द करने की मांग की है। सीबीआई का दावा है कि केजरीवाल के करीबी विजय नायर दिल्ली एक्साइज बिजनेस के स्टेकहोल्डर्स के संपर्क में थे। वे शराब नीति में

उन्हें फायदा देने के बदले पैसों की मांग करते थे। नायर वो जरिया थे, जिन्होंने केजरीवाल के लिए क्क्क्र नेता के. कविता की अध्यक्षता वाले साउथ ग्रुप के लोगों से डील की। नायर ने ही शराब नीति में फायदा देने के बदले में साउथ ग्रुप के लोगों से 100 करोड़ वसूले थे। दो अन्य आरोपियों- विनोद चौहान और आशीष माथुर के माध्यम से इन पैसों को गोवा भेजा गया।

संपादकीय

ताकि बचे बचपन

कर्नाटक-आंध्र का सोशल मीडिया पर अंकुश

डिजिटल क्षेत्र में भारत के अग्रणी राज्य कर्नाटक ने सोलह साल से कम उम्र के बच्चों को सोशल मीडिया के घातक प्रभावों से बचाने के लिये देश में सबसे पहले अनुकरणीय पहल की है। राज्य सरकार ने 2026-27 के बजट सत्र के दौरान घोषणा की है कि किशोरवय अब सोशल मीडिया का उपयोग नहीं कर सकेंगे। यह निर्णय अभिभावकों की उस चिंता को कम करता है जो अनियंत्रित डिजिटल गतिविधियों से उत्पन्न होने वाले जोखिम से परेशान थे। जिसमें साइबर बुलिंग व साइबर धोखाधड़ी भी शामिल है। कर्नाटक की पहल के बाद आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने भी विधानसभा में घोषणा की है कि अगले नब्बे दिनों के भीतर 13 साल से कम उम्र के बच्चों द्वारा सोशल मीडिया के इस्तेमाल पर रोक लगा दी जाएगी। इस तरह आंध्र प्रदेश कर्नाटक के बाद ऐसा सख्त फैसला लेने वाला दूसरा राज्य बनने जा रहा है। इस प्रकार ये दो राज्य तेजी से ऑनलाइन होती दुनिया में 'किशोरों की सुरक्षा कैसे की जाए', की वैश्विक बहस में शामिल हो गए हैं। उल्लेखनीय है कि ऐसी पहल पहले आस्ट्रेलिया और फ्रांस आदि देशों में हो चुकी है। हालांकि, इन राज्यों की पहल सराहनीय है, लेकिन इस प्रतिबंध का प्रभावी क्रियान्वयन कैसे सुनिश्चित होगा, इसका प्रारूप अभी स्पष्ट नहीं है। दरअसल, देश-दुनिया के मनोवैज्ञानिक और बाल स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने बार-बार चेतावनी दी है कि सोशल मीडिया का अनियंत्रित उपयोग किशोरों के मानसिक और भावनात्मक विकास पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकता है। उल्लेखनीय है कि इस चिंता का जिक्र 2025-26 के केंद्र सरकार के आर्थिक सर्वेक्षण में भी किया गया था। कर्नाटक व आंध्र प्रदेश की यह पहल तेजी से विकसित हो रहे तकनीकी परिदृश्य के प्रति एक सुरक्षात्मक दृष्टिकोण ही दर्शाती है। लेकिन यहां सवाल उठता है कि इस कार्य योजना को अमलीजामा कैसे पहनाया जाएगा? यह हकीकत जानते हुए कि आज के डिजिटल युग में, स्मार्टफोन और ऐप्स शिक्षा, संचार और दैनिक जीवन के अभिन्न अंग बन गए हैं। यहां उल्लेखनीय है कि तमाम स्कूल असाइनमेंट और अपडेट के लिये मैसेजिंग एप्स, ऑनलाइन पोर्टल और डिजिटल प्लेटफॉर्मों पर निर्भरता बढ़ गई है। यही वजह है कि छात्रों द्वारा 'शैक्षिक' और 'सामाजिक' उपयोग के बीच अंतर करना मुश्किल साबित हो सकता है। वहीं चिंता की बात यह भी कि किशोरों की आयु का सत्यापन कैसे व्यावहारिक बनाया जा सकेगा। वहीं देखना होगा कि सोशल मीडिया को संचालित करने वाली तकनीकी कंपनियां किस हद तक इस दिशा में सहयोग करेंगी। सहयोग न मिलने पर प्रतिबंध की व्यावहारिकता पर सवालिया निशान लग सकते हैं। उन परिवारों में जहां एक ही मोबाइल फोन का परिवार के अन्य सदस्य भी उपयोग करते हैं, वहां प्रतिबंध की व्यावहारिकता पर सवाल लग सकते हैं। उल्लेखनीय है कि आस्ट्रेलिया में पहले ही सोलह साल से कम उम्र के बच्चों के लिये सोशल मीडिया के उपयोग पर प्रतिबंध लागू है। वहीं दूसरी ओर फ्रांस जैसे अन्य देश भी सख्त डिजिटल सुरक्षा नियमों को लागू करने को लेकर गंभीर हैं। इसमें दो राय नहीं कि बच्चों को बेहतर डिजिटल सुरक्षा दी जानी जरूरी है, लेकिन केवल नियमन मात्र से इस जटिल समस्या का समाधान संभव नहीं हो सकता है।

> "कर्नाटक की पहल के बाद आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने भी विधानसभा में घोषणा की है कि अगले नब्बे दिनों के भीतर 13 साल से कम उम्र के बच्चों द्वारा सोशल मीडिया के इस्तेमाल पर रोक लगा दी जाएगी। इस तरह आंध्र प्रदेश कर्नाटक के बाद ऐसा सख्त फैसला लेने वाला दूसरा राज्य बनने जा रहा है।

इस दिशा में सार्थक परिवर्तन सरकारों, स्कूलों, तकनीकी प्लेटफॉर्मों और सबसे महत्वपूर्ण रूप से अभिभावकों के बीच एक संतुलित दृष्टिकोण पर निर्भर करेगा। हालांकि, किशोरों को सोशल मीडिया की विकृतियों से बचाने के लिये तात्कालिक पहल केंद्र सरकार की तरफसे की जाती तो उसका देशव्यापी प्रभाव होता। लेकिन इसके बावजूद यदि कर्नाटक व आंध्र प्रदेश ने इस दिशा में पहल की है तो उम्मीद की जानी चाहिए कि अन्य राज्य भी इससे प्रेरणा ले सकेंगे। फिर निश्चित तौर पर केंद्र सरकार को भी देश में एक केंद्रीय कानून लाने को बाध्य होना पड़ सकता है। वहीं केंद्र सरकार को इस मुद्दे पर विषय विशेषज्ञों और समाज के विभिन्न वर्गों से भी राय लेनी चाहिए। ऐसे वक्त में जब बच्चों का स्क्रीन टाइम एक लत के रूप में लगातार बढ़ा है तथा उनकी एकाग्रता कम होने से पढ़ाई बाधित हो रही है, तो इस संकट का समाधान केंद्र व राज्यों की प्राथमिकता होनी चाहिए।

दिल्ली के दिल में छाई अजीब खामोशी पर उठते प्रश्न

ज्योति मल्होत्रा

विदेश नीति में आत्मनिर्भरता देश के वजूद का आधार बनी हुई है। ऐसे में ईरान और अमेरिकी-इस्राइल युद्ध की कुछ घटनाओं पर खामोशी सवालों के घेरे में है। नीति नियंताओं द्वारा आत्मनिर्भरता की नीति के बखान के बावजूद ईरान में लड़कियों के स्कूलों पर बमबारी करने वाली ताकतों संग बिना विचारे तालमेल से गुरेज करना चाहिये।

अमेरिकियों ने बीच समुद्र फंसे रूसी तेल को खरीदने के लिए भारत को 30 दिन की छूट दे दी है। यह वो संदेश है जो बीते शुक्रवार सुबह-सुबह ट्रंप प्रशासन की ओर से आया।

अभी यह स्पष्ट नहीं कि मोदी सरकार को ट्रंप प्रशासन के इन निर्देशों से चिढ़ हुई अथवा नहीं, क्योंकि उसे बताया जा रहा है कि क्या करना चाहिए और क्या नहीं, इसमें यह भी शामिल है कि किससे तेल खरीदना है, कितना खरीदना है, और कब शुरू या बंद करना है। याद करें कि पिछले महीने ही, जब ट्रंप ने व्यापार समझौते के हिस्से के तौर पर घोषणा की थी कि भारत-अमेरिकी द्विपक्षीय व्यापार पर लगाया गया 25 फीसदी अतिरिक्त शुल्क हटा रहे हैं, तब उन्होंने साफ कर दिया था कि यदि भारत फिर रूसी तेल खरीदने लगेगा, तो यह शुल्क दुबारा लागू हो जाएगा। और इसलिए, करीब हफ़्ता पहले ईरान संकट शुरू होने के बाद से मोदी सरकार की विदेश नीति को लेकर जो बहसें चल रही हैं, जिसमें सोनिया गांधी और राहुल गांधी दोनों ने दखल दिया, उसमें आत्मनिर्भरता के इस नवीनतम प्रारूप को बतौर राष्ट्र नीति का साधन बरतने पर प्रश्न उठ रहे हैं।

विदेश मंत्रालय अपनी जिस 'व्यावहारिक नीति' की बहुत बड़ाई करता रहता है, शायद उसके तहत मानता है कि उसको दुनिया के सबसे ताकतवर आदमी, डोनाल्ड ट्रंप को नाराज़ नहीं करना चाहिए, और इसलिए ईरान पर बमबारी के मामले में उसके साथ चलना बेहतर है। इस नजरिये से तो भारतीयों को ब्रिटिश राज के खिलाफ़ स्वतंत्रता आंदोलन कभी नहीं करना चाहिए था, क्योंकि, याद रहे कि उनके राज में, ट्रेनें हमेशा समय पर चलती थीं, सबके लिए शिक्षा शुरू की गई थी और सती जैसी सामाजिक बुराइयों पर रोक लगा दी गई थी। कुछ अन्य लोग कहेंगे कि आत्मनिर्भरता का मतलब वास्तव में कुछ और है। यह जागरूक बने रहने, दुनिया

की जटिलताओं को समझने, ज़रूरत पड़ने पर अलग-अलग पक्ष चुनने का निरंतर संघर्ष है- हकीकत में, सभी पक्षों के साथ तालमेल रखना पड़ता है, क्योंकि तभी तो आप अपने देश के हितों की रक्षा कर सकेंगे। (जवाहरलाल नेहरू ने इसे 'गुटनिरपेक्षता' कहा था, चलिए इस पर बहस किसी और दिन)।

सच तो यह कि भारत को वैश्विक राजनीति की नित बदलती बिसात का फायदा उठाने का तगड़ा अनुभव है। इसीलिए समझ नहीं आ रहा कि भारत इतना खुलकर ट्रंप और बीबी नेतन्याहू, दोनों के साथ, क्यों खड़ा है। इस्राइलियों ने आधे यूरोप को नाराज़ कर रखा है और ट्रंप हर दूसरे दिन पाकिस्तान को लुभाने की कोशिश करते हैं। इस बीच, ट्रंप और व्लादिमीर पुतिन महीने में कम से कम एक बार परस्पर बात करते हैं- तब भी, जब अमेरिका भारत को रूसी तेल न खरीदने को धमका रहा था। ट्रंप चीन दौरे की जल्द ही, कम से कम ईरान संकट से पहले, योजना बना रहे थे-लेकिन बताया जा रहा है ईरान का साथी और सहयोगी चीन, अब ट्रंप और ईरान के बीच मध्यस्थता की पेशकश कर रहा है।

इसीलिए आत्मनिर्भरता का मतलब है समझदारी से चुनना, कुछ करना या न करते हुए देशहित में काम करना। इसका अभिप्राय था इस्राइल का अपना दौरा टालना, सिर्फ़ इसलिए नहीं कि पूरी दुनिया, जिसमें आप भी शामिल हैं, जानती थी कि युद्ध होने वाला है; इसलिए नहीं कि भारत और ईरान के बीच सदियों पुराने रिश्ते हैं, बल्कि इसलिए कि भारत के कुल तेल आयात का 44 प्रतिशत हिस्सा ईरानी नियंत्रण वाले जलक्षेत्र होर्मुज़ जलसंधि से होकर आता है। इसका अर्थ था कि अबू धाबी के शासक मोहम्मद बिन ज़ायद को फोन करने से बचना, जिनकी इन दिनों अपने कभी के सबसे अच्छे दोस्त रहे सऊदी अरब के मोहम्मद बिन सलमान से बातचीत बंद हैं- सिर्फ इसलिए नहीं कि आप दोनों से तेल खरीदते हैं या पाकिस्तान सऊदी अरब का रणनीतिक साझेदार है, बल्कि इसलिए कि दोनों देशों में बड़ी संख्या में भारतीय आप्रवासी रहते हैं, यूएई में 40 लाख और सऊदी में लगभग 25 लाख।

इसका मतलब था कि सोनिया गांधी द्वारा इंडियन एक्सप्रेस में लिखे अपने लेख में ईरान के सुप्रीम लीडर अली खामेनेई की हत्या पर भारत की चुप्पी पर सवाल उठाने का इंतज़ार नहीं करना- उनकी हत्या के पांच दिन बाद आखिर विदेश सचिव विक्रम मिसरी को महज़ 2 किमी दूर दिल्ली में स्थित ईरान दूतावास पहुंचने का आदेश दिया गया, जहां उन्होंने भारत की ओर से शोक पुस्तिका पर संदेश लिखा। इस बीच, विदेश मंत्री एस जयशंकर ने भी अंतत: अपने ईरानी समकक्ष सैयद अब्बास अराघची को फोन किया। शुक्रवार शाम, इस्राइली विदेश मंत्री ने मीडिया को बताया कि प्रधानमंत्री मोदी जो 48 घंटे पूर्व ही इस्राइल से निकले थे, को पता नहीं था कि इस्राइल-अमेरिका ईरान पर कब बमबारी करने वाले हैं। अब इस्राइल की इस स्वीकारोक्ति पर दो तरह की प्रतिक्रिया सोच सकते हैं। पहली, इस्राइली कैसे दोस्त हैं जो अपने सर्वोत्तम मित्र भारत तक को अंदरूनी योजना के बारे नहीं बताते?

आज कितने लोगों को फरवरी 1979 की घटना याद है, जब तत्कालीन विदेश मंत्री अटल बिहारी वाजपेयी चीन दौरे पर थे, और चीन ने वियतनाम को 'सबक सिखाने' के नाम पर उस पर हमला कर दिया -वाजपेयी इतना व्यथित हुए कि अपना दौरा बीच में छोड़कर आ गये। फिर तत्कालीन प्रधानमंत्री मोरारजी देसाई ने इस घटना पर 'गहरी प्रतिक्रिया और चिंता' व्यक्त की व भारत-चीन संबंध फिर से ठंडे पड़ गए।

बेशक, 47 साल बाद के हालात अलग हैं। जिस तरह भारत में ईरान के प्रति संवेदनाएं प्रकट करने पर बहस चलती रही, उसी प्रकार ईरानी युद्धपोत 'डेना' को अमेरिका द्वारा तारपीडो से डुबोने पर प्रतिक्रिया देने में भारत को पांच दिन लग गए। वह ईरानी युद्धपोत, जो अंतर्राष्ट्रीय नौसैन्य बेड़ा प्रदर्शन में भाग लेने के बाद अभी-अभी भारतीय जल सीमा से बाहर निकला ही था। एक ऐसे देश के लिए, जो क्वाड का हिस्सा हो-जिसमें अमेरिका, जापान, ऑस्ट्रेलिया और वह खुद शामिल है- और जिसे इसपर गर्व हो कि वह दुनिया का इकलौता देश है, जिसके नाम पर एक महासागर है, इन दिनों उसकी राजधानी में एक अजीब सी खामोशी पसरी है, जो बहुत कुछ बयां करती है। दूसरी तरफ, शुक्र करें कि इस्राइलियों ने भारतीय प्रधानमंत्री को ईरान पर बमबारी के बारे में तब नहीं बताया जब वे तेल अवीव में थे- इससे मोदी को आखिर समझ आ जाना चाहिए कि सबसे अच्छे दोस्त भी कैसे अपने पत्ते छिपाकर रखते हैं और जरा भनक नहीं लगने लेते। या फिर, उस जीवंत भारतीय यहूदी समुदाय के बावजूद जो कुछ दशक पहले भारत से इस्राइल जाकर बस गया था और मानता है कि 'जहां इस्राइल उनकी पितृभूमि है वहीं भारत मातृभूमि', यह उक्ति प्रधानमंत्री ने नेसेट में अपने भाषण के दौरान इस्तेमाल की थी; या फिर यह कि भारत इस्राइली रक्षा उपकरणों का सबसे बड़ा खरीदार है -मोदी को पता होना चाहिए कि भारत को इस्राइल-अमेरिका के पवित्रतम दायरे में घुसने की इजाज़त नहीं। इसीलिए आत्मनिर्भरता भारत के वजूद का आधार बना हुआ है। प्रधानमंत्री मोदी का इस धारणा को बढ़ावा देना हमें बताता है कि भारत को ईरान में लड़कियों के स्कूलों पर बमबारी करने वाली ताकतों के साथ बिना विचारे तालमेल रखने से गुरेज करना चाहिए। जब चीज़ें हाथ से निकल जाएं तो भारत को अपनी बात कहने से डरना नहीं चाहिए- भले ही हमारे भीतर भी स्याह कोने हों, जिसमें उन तालिबान प्रशासन के साथ दोस्ती भी शामिल है, जो पत्नी को बेरहमी से पीटने की इजाज़त देता है।

यह तथ्य है कि आज का भारत पहले की अपेक्षा अधिक मज़बूत है, दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है, प्रति व्यक्ति जीडीपी बेहतर है (2025 में लगभग 2,800 डॉलर, जबकि 2014 में मोदी द्वारा सत्ता संभालते वक्त यह 1,486 डॉलर थी), एक मज़बूत और जीवंत प्रवासी समुदाय है जो विदेशों में असर रखता है और पैसे घर भेजता है।

लेकिन बाहर एक अंधेरी दुनिया है और यह और अधिक अंधेरी होती जाएगी। आत्मनिर्भरता, गुट-निरपेक्षता, आप इसे जो भी कहें, भारत का एकमात्र मार्गदर्शक हो सकता है जो हमें रोशनी की ओर ले जाए।

लेखिका 'द ट्रिब्यून' की प्रधान संपादक हैं।

अपने बच्चों को संकट से निपटना सिखाएं

एन. रघुरामन

आज के दौर में 'अर्श से फर्श' तक पहुंचने वाले कई कारोबारी साम्राज्य उन लोगों ने खड़े किए हैं, जिन्होंने जमीन पर उतरकर कड़ी मेहनत की है। लेकिन, उनकी अगली पीढ़ी एक ऐसे दौर में पली-बढ़ी है जहां सुख-सुविधाओं की कोई कमी नहीं रही। उन्होंने कभी किसी बड़े आर्थिक संकट का कड़वा स्वाद नहीं चखा। यही कारण है कि संपत्ति बनाने वाली पीढ़ी और उसे विरासत में पाने वाली पीढ़ी के बीच सोच की बड़ी खाई पैदा हो गई है। पिछले नौ दिनों से खाड़ी देशों और मिडिल ईस्ट में छिड़े युद्ध ने उन माता-पिता की नींद उड़ा दी है, जिन्होंने शून्य से कारोबार खड़ा किया। जहां वे संपत्ति और गिरते वैल्युएशन को लेकर रात भर जाग रहे हैं, वहीं उनके बच्चे बेफिक्र नजर आते हैं।

यह बेफिक्री किसी बहादुरी का नतीजा नहीं, बल्कि जमीनी हकीकत और संकटों के अनुभव की कमी है। आज कई बड़े कारोबारी माता-पिता ठीक वैसी ही स्थिति में हैं, जैसी 2008 के वैश्विक संकट के दौरान 'लेहमैन ब्रदर्स' की थी। याद कीजिए, बैलेंस शीट पर भारी-भरकम संपत्ति होने के बावजूद वह कंपनी दिवालिया हो गई थी।

कारण जब संकट आया और वे अपनी संपत्तियों को बेचने बाजार निकले, तो उन्हें वो कीमत नहीं मिली जो कागजों पर दर्ज

थी। रातोंरात वे कीमती संपत्तियां 'कबाड़' बन गईं, जिनका कोई खरीदार नहीं बचा था। 2008 के संकट के दौरान गोल्डमैन सैक्स का नेतृत्व करने वाले लॉयड ब्लैंकफीन भी इसी बात का समर्थन करते हैं। 71 वर्षीय ब्लैंकफीन का उन चिंतित पिताओं को मशविरा है जो आने वाले आर्थिक संकट से डरे हुए हैं, 'संपत्तियों को लंबे समय तक दबाकर बैठने के बजाय, सही समय पर उन्हें बेच देने में ही समझदारी है।

मैं यह नहीं कह रहा कि संकट कल ही आ जाएगा, लेकिन जब युद्ध जैसे हालात बनते हैं, तो आप पाएंगे कि जिन संपत्तियों को आपने ऊंची कीमतों पर रखा था, बाजार में उतनी कीमत नहीं रह गई।' आज दुनिया के सामने 'स्टैगफ्लेशन' का खतरा मंडरा रहा है। आसान शब्दों में कहें तो आर्थिक विकास की रफ्तार थम जाना, पर महंगाई बढ़ते रहना। ऐसे में बच्चों को यह समझाना जरूरी है कि वे 'स्थायित्व के भ्रम' में न जिएं, बल्कि दुनिया में बदल रहे भू-राजनैतिक समीकरणों के आधार पर अपनी रणनीति बनाएं।

मैनेजमेंट टिप: अपने बच्चों को 'संकट के लिए तैयार' रहना सिखाएं। बदलते दौर में अपनी योजनाओं को लचीला और मजबूत रखने का यही एकमात्र तरीका है। बच्चों को उस दुनिया के लिए तैयार न करें जो अब अस्तित्व में ही नहीं है।

मानवता चुका रही है भीषण युद्ध की कीमत

सुरेश सेठ

वैश्विक शक्तियां अगर एक-दूसरे के परमाणु केन्द्रों पर हमले करेंगी तो परमाणु रिसाव शुरू हो सकता है। अगर रेडियो-एक्टिव रिसाव शुरू हो गया तो तबाही से घबराकर बड़े शहरों को खाली करने की गंभीर स्थिति पैदा हो सकती है।

अमेरिका-इस्राइल और ईरान के बीच जो भीषण युद्ध छिड़ गया है, उसके बीच संवाद की कोई गुंजाइश नजर नहीं आती। बल्कि हर रोज युद्ध का विस्तार बढ़ता जा रहा है। एक ओर ईरान है और उसकी जुनूनी सैनिक ताकत, जो अपने शिया सुप्रीमो खामेनेई की मौत का बदला खून की आखिरी बूंद तक लेना चाहती है। दूसरी ओर है अमेरिका की महाशक्ति और मध्यपूर्व का चेहरा इस्राइल, जो कहने को तो ईरान के परमाणु शक्ति बनने पर अंकुश लगाने के लिए युद्ध में कूदा है। लेकिन उसके निरंकुश मंसूबे किसी से छिपे नहीं हैं। दुनिया में शांति के नाम पर तबाही का पहाड़ा पढ़ा जाने लगा। जहां-जहां भी यह पहाड़ा शुरू हुआ, चाहे यह यूक्रेन और रूस के बीच हो या अब नये युद्ध केन्द्र पाकिस्तान और अफगानिस्तान या संभावित युद्ध केन्द्र चीन और ताइवान, यह पहाड़ा तबाही का सबब बन रहा है।

बहरहाल, ईरान और अमेरिका-इस्राइल संघर्ष दुनिया के युद्धरत और दूसरे देश भी संभावित तबाही के भय से कांप रहे हैं। जिस तरह से यह युद्ध आतंकवाद को नियंत्रित करने के नाम पर लेबनान और ब्रिटिश बेसों वाले साइप्रस तक फैल गया है, उससे सबकी चिंता और भी बढ़ गई है। सोचा गया था कि इतनी शक्तियां मिलकर इस युद्ध को कुछ दिन में निपटा देंगी। जिस तेजी से परेशानियां बढ़ रही हैं, उस तेजी से युद्ध निपटने के अवसर भी हैं। लेकिन जहां बड़ी ताकतें अपनी ताकत से मदमत्त हों, वहां हर दिन शांति

की गुंजाइश कम होती है और युद्ध की भीषणता की आशंका बढ़ती है।

लेकिन इस संभावना में एक और खतरनाक बात भी सामने आ रही है। संयुक्त राष्ट्र की परमाणु एजेंसी आईआईए के न्यूक्लियर वॉच डॉग ने एक और चेतावनी जारी की है कि परमाणु शक्तियों सावधान हो जाओ! जिस तरह से भीषण जंग हो रही है, परमाणु बम चलाए बिना परमाणु तबाही हो सकती है। यह सही है कि अभी तक ऐसी तबाही नहीं हुई है लेकिन परमाणु एजेंसी के मुखिया राफेल ग्रामसी कहते हैं कि चाहे बम नहीं चलाओगे, लेकिन एक-दूसरे को पस्त करने के लिए वैश्विक शक्तियां अगर एक-दूसरे के परमाणु केन्द्रों पर हमले करेंगी तो परमाणु रिसाव शुरू हो सकता है। अगर रेडियो-एक्टिव रिसाव शुरू हो गया तो तबाही के भय से घबराकर बड़े शहरों को खाली करने की गंभीर स्थिति पैदा हो सकती है। इसलिए राफेल ग्रामसी ने कहा कि जल्द से जल्द इस युद्ध को संवाद की सहायता से रोकिए। वैसे अभी तक रेडिएशन का स्तर सामान्य है, लेकिन यह सामान्य रहेगा, इसकी क्या गारंटी है?

वैसे तबाही तो कई और आयामों से भी झांक रही है। इस लड़ाई में तेल आपूर्ति का सामान्य समुद्री मार्ग, जिसमें से तेल टैंकरों की बीस प्रतिशत आवाजाही है, वह ध्वस्त हो गया है। सऊदी अरब स्थित दुनिया की सबसे बड़ी तेल रिफाइनरी ड्रोन हमले की शिकार हो गई है। उसे अस्थाई रूप से बंद कर दिया गया है। कतर एनर्जी ने एलएनजी का उत्पादन बंद करने की घोषणा कर दी। पहले झटके में यूरोप में तेल और गैस की कीमतें उछल गई हैं। तीसरी दुनिया के देश और भारत कब तक बचेंगे? पूरा विश्व परेशान हो रहा है।

अमेरिका को उम्मीद थी कि अगर ईरान में से खामेनेई और उनके साथी साफ कर दिए जाते हैं तो बेरोजगारी, भ्रष्टाचार और महंगाई से संत्रस्त जेन-जी युवा विरोध में सड़कों पर उठ खड़े होंगे। लेकिन ऐसा नहीं हुआ बल्कि वहां सत्ता पर खामेनेई समर्थकों का ही वर्चस्व है और वे करो या मरो के अंदाज में लड़ाई लड़ रहे हैं। दूसरी ओर ट्रम्प अभी परेशान है कि ब्रिटेन और फ्रांस मौन समर्थन दे रहे हैं, युद्ध में कूदे क्यों नहीं? दूसरी ओर रूस और चीन का भी मूक समर्थन ईरान के साथ है। चीन ने अभी फिर अमेरिका द्वारा ईरान पर हमला करने पर नाराजगी जताई है।

इस समय संघर्ष में बड़े हमले हो रहे हैं। अरब देश जंग में एक या दूसरा पक्ष लेने के लिए मजबूर हो रहे हैं। ऐसी हालत में भारत का स्टैंड यही है कि बंद करो ये मौत का पागलपन, और अपनी लड़ाई को संवाद से रोको। लेकिन यहां तो अमेरिका व इस्राइल का लक्ष्य यह है कि ईरान में सत्ता बदलेगी, तभी संवाद शुरू करेंगे। ऐसे में मौत का यह तांडव कैसे नियंत्रित होगा जबकि संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना के लिए कमजोर शक्ति सिद्ध हो चुका है। अमेरिका द्वारा बनाया गया पीस बोर्ड वजूद में आए, इससे पहले ही यह भयानक जंग शुरू हो गई। इसलिए यह एक सामूहिक तबाही का युद्ध साबित हो सकता है। भारत जैसे विकासशील देश जो अहिंसा की राह पर चलते हुए वसुधैव कुटुम्बकम् का सपना देख रहे थे, उनके लिए एक मुश्किल इम्तिहान पैदा हो गया। उनके आसमान में तबाहियों के ये मशवरे हर ओर लहराने लगे। इससे बचकर पूरी दुनिया में शांति स्थापना का बिगुल कैसे बजाया जाए, आज तीसरी दुनिया के देशों का नेतृत्व करने वाले भारत के सामने यही चुनौती है।

लेखक साहित्यकार हैं।

तुलसी हमारी, सबसे न्यारी

शहर की भागदौड़भरी ज़िंदगी में जब लोग हमारे घर के बाहर के बाग-बगीचे की हरियाली देखकर ठहर जाते हैं और उसमें लगे औषधीय पौधों पर चर्चा करते हैं, तो मन को गहरी प्रसन्नता होती है। अधिकांश सरकारी मकानों में बाग-बगीचे विरले ही देखने को मिलते हैं। कारण यही है कि लोग सोचते हैं— 'घर तो अपना नहीं, फिर क्यों मेहनत करें।' हमने अपने सरकारी घर के बाहर की ऊबड़-खाबड़, बंजर भूमि को हरियाली से भर दिया। दो-ढाई हजार स्क्वायर फीट क्षेत्र में सैकड़ों फल-फूल और औषधीय पौधे लगाए, जो राहगीरों का ध्यान बरबस अपनी ओर खींच लेते हैं। गिनीज रिकॉर्ड से भी ऊंची तुलसी हमारी सबसे बड़ी उपलब्धि है। यह हमारे बगीचे की सबसे बड़ी धरोहर है, इस तुलसी को वन तुलसी, अरण्य तुलसी, ब्रह्म तुलसी या कठेरक के नाम से भी जाना जाता है।

सामान्यत: लोग रामा और श्यामा तुलसी को ही जानते हैं, पर हमने इस विशिष्ट तुलसी को उगाया है। ग्रीस की 10 फुट 12.5 इंच की गिनीज रिकॉर्डधारी तुलसी से भी बड़ी, लगभग 12 फीट ऊंची तुलसी हमारी बगिया का चमत्कार रही। इसके साथ ही 5 से 11 फुट ऊंचाई वाली कई तुलसी के पौधे भी लगातार बढ़ रहे हैं। यह हर मौसम में हरी-भरी रहती है, जबकि सामान्य तुलसी ठंड में पाले से नष्ट हो जाती है। यह तुलसी भी रामा और श्यामा तुलसी की तरह ही औषधीय गुणों से भरपूर है। तुलसी भारतीय परंपरा में पवित्रता, स्वास्थ्य और सेवा का प्रतीक है। यह पौधा हमारे घरों और मंदिरों में आध्यात्मिक ऊर्जा का स्रोत माना जाता है।

तुलसी का औषधीय महत्व आयुर्वेद में अमूल्य है। अपनी तुलसी के लिए हम गिनीज़ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में दर्ज कराने के लिए आधिकारिक आवेदन कर रहे हैं। यह रिकॉर्ड-ब्रेकिंग तुलसी आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करेगी कि वे प्रकृति से जुड़ें, उसे संजोएं और सेवा को जीवन का आधार बनाए। चरक संहिता में तुलसी हिचकी, खांसी, विष विकार, पसली का दर्द मिटाती है; पित्त, कफ और वात का शमन करती है। भाव प्रकाश के अनुसार तुलसी हृदय के लिए हितकर, त्वचा रोगों में लाभकारी, पाचन शक्ति बढ़ाने वाली और मूत्र विकार मिटाने वाली है। पुराणों के अनुसार जहां तुलसी का पौधा होता है, वहां ब्रह्मा, विष्णु, महेश सहित सभी देवताओं का वास माना गया है।

साभार : कविता रावत डॉट कॉम

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएँ
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

श्रीकंचनपथ
छत्तीसगढ़

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करे
Mob.-:
9303289950
7987166110

प्रमुख खबरें

नारी राष्ट्र की प्रगति को गति प्रदान करती है : संयुक्ता

भिलाई। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर स्वामी श्री स्वरूपानंद सरस्वती महाविद्यालय में परिचर्चा आयोजित की गई। कार्यक्रम में अंग्रेजी विभाग की विभागाध्यक्ष संयुक्ता पाढ़ी ने कहा कि भारतीय नारी के सामर्थ्य को किसी एक दिन के उत्सव में सीमित करना उसके वास्तविक स्वरूप को संकुचित करने जैसा है। हर वर्ष महिला दिवस पर नारी सशक्तिकरण की चर्चा होती है, लेकिन यह प्रश्न भी उठता है कि क्या भारतीय महिलाओं को अपने सामर्थ्य को पहचानने के लिए किसी विशेष दिवस की आवश्यकता है। इतिहास में मुगल और औपनिवेशिक काल जैसे दौर भी आए, जब सामाजिक परिस्थितियों के कारण महिलाओं की स्थिति सीमित हुई। हालांकि समय के साथ समाज बदला और आज महिलाएं प्रशासन, विज्ञान, सेना, न्यायपालिका, शिक्षा और उद्योग जैसे क्षेत्रों में आगे हैं।

ओल्ड नेहरू नगर ; नाली जाम, बीमारी का खतरा

भिलाई। मकान नंबर 27, 28 ओल्ड नेहरू नगर के सामने महीनों से नाली जाम है। सीवर का पानी नाली में मिल रहा है, जिससे बदबू और मच्छरों का जमावड़ा रहता है। इससे बीमारी फैलने का खतरा भी बना हुआ है। नगर निगम में कई बार शिकायत के बाद भी कोई सुनवाई नहीं है। इसी तरह की स्थिति आसपास की कई स्ट्रीट में बनी हुई है। नालियों की सफाई जल्द कराई जाए।

स्टूडेंट क्लब शपथ ग्रहण : रूचि अध्यक्ष और फाल्गुनी उपाध्यक्ष

भिलाई। साइंस कॉलेज दुर्ग में भूगर्भशास्त्र के सहयोग से लायंस क्लब दुर्ग विजन के स्टूडेंट क्लब का शपथ ग्रहण समारोह हुआ। शपथ अधिकारी जीईटी कॉडिनेटर पीएमजेएफ लायंस अनिल अग्रवाल ने शपथ दिलाई। अध्यक्ष के रूप में रूचि देशमुख, सचिव के रूप में फाल्गुनी साहू तथा कोषाध्यक्ष के रूप में अर्जुन सोनकर ने शपथ ली। प्राचार्य डॉ. अजय कुमार सिंह ने क्लब के गठन की सराहना की।

महिला शक्ति का सम्मानः 500 से अधिक महिलाओं को योगामेट, पानी बोतल और पौधों का वितरण

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। नगर पालिक निगम दुर्ग सीमा क्षेत्र अंतर्गत अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर आज सुबह दादा-दादी, नाना-नानी पार्क में विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया।इस अवसर पर महापौर अलका बाघमार प्रभारी शशि साहू, देवनारायण चंद्रकार, नरेंद्र बंजारे, शेखर चंद्रकार, लीना दिनेश देवांगन, लीलाधर पाल एवं हर्षिका संभव जैन के साथ प्रातः पार्क पहुँचीं।

उन्होंने उपस्थित सभी महिलाओं को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की बधाई और शुभकामनाएं दीं। महापौर के कार्यक्रम स्थल पर पहुँचते ही महिलाओं ने फूल बरसाकर उनका जोरदार स्वागत किया। इस दौरान योगा क्लब के सदस्यों ने महापौर का सम्मान करते हुए उन्हें स्मृति चिन्ह भेंट कर महिला दिवस की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में महिलाओं के उत्साह को देखते ही बन रहा था।

महापौर अलका बाघमार ने लायनेस क्लब दुर्ग सिटी द्वारा आयोजित महिला दौड़ कार्यक्रम का लाल फीता काटकर शुभारंभ किया। फीता कटते ही महिलाओं ने उत्साह के साथ दौड़ लगाना शुरू कर दिया और पूरे पार्क में ऊर्जा और उत्साह का माहौल बन गया।

कार्यक्रम के दौरान योग क्लब के सदस्यों सहित मॉर्निंग वॉक के लिए आए 500 से अधिक महिलाओं को योगामेट, पानी की बोतल सेट तथा पर्यावरण संरक्षण के संदेश के साथ पौधों का वितरण किया गया,महिलाओं ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजन से स्वास्थ्य और पर्यावरण दोनों के प्रति जागरूकता बढ़ती है।

कार्यक्रम के समापन के बाद महापौर अलका बाघमार राम नगर वार्ड उरला मोर जमीन मोर आवास स्थल भी पहुँचीं, जहां हितग्राहियों को योगामेट, पानी की बोतल तथा पौधों का वितरण किया गया।

इस अवसर पर लीना दिनेश देवांगन, पार्षद साजन जोसफ, रंजीता पाटिल, मनोज सोनी, नीरा खिचरिया, अनिता तिवारी, रत्न माला पलिया, सहित बड़ी संख्या में आगंतुक महिलाएं भी उपस्थित रहीं।

पुरखौती विरासत भ्रमण : इंटैक की टीम ने देखी धमधा की विरासत, युवाओं की टोली ने किया छह तालाबों का पुनरुद्धार

दीपक रंजन दास

दुर्ग/धमधा। भारतीय राष्ट्रीय कला एवं सांस्कृतिक विरासत ट्रस्ट की टोली रविवार को धमधा धर्मधाम गौरव गाथा समिति द्वारा आयोजित पुरखौती विरासत भ्रमण में शामिल हुई। पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो एसके पाण्डे, इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. एसके पाटिल एवं पूर्व सदस्य सचिव राष्ट्रीय साक्षरता मिशन प्रो. डीएन शर्मा के नेतृत्व में यह भ्रमण कार्यक्रम संपन्न हुआ। धमधा में यह आयोजन धर्मधाम गौरव गाथा समिति के संयोजक गोविन्द पटेल के सौजन्य से सम्पन्न हुआ।

गोविन्द पटेल ने बताया कि धमधा एक प्राचीन नगरी है जहां इतिहास के कई साक्ष्य आज भी मौजूद हैं। राजा सांड विजय ने इस नगरी को बसाया। सुरक्षा के लिए यहां राजमहल (अब खंडहर) के चारों तरफ चक्रवार तालाबों की खुदाई की गई थी। इन तालाबों के कारण धमधा को छह आगर छह कोरी (126) तालाबों के नाम से प्रसिद्धि मिली। पर आज इनमें से बमुश्किल दो दर्जन तालाब ही शेष हैं। गौरव गाथा समिति तालाबों के पुनरुद्धार में जुटी है। पिछले कुछ वर्षों में समिति के सदस्यों ने श्रम एवं अंशदान से छह तालाबों का जीर्णोद्धार किया है।

पटेल ने कहा कि तालाबों की नगरी होने के बावजूद इसे विडम्बना ही कहा जाएगा कि नगर अब गंभीर पेयजल संकट का सामना कर रहा है। ग्रीष्म में संकट और भी बढ़ जाता है। शासन यदि तालाबों का चिन्हांकन और सीमांकन कर दे तो समिति उन तालाबों का भी उद्धार करेगी जो कब्जों से पट गए हैं।

भ्रमण के बाद आयोजित संगोष्ठी में दोनों पूर्व कुलपतियों ने इस कार्यक्रम को आगे बढ़ाने के लिए अपने सुझाव दिये। प्रो. पाटिल ने कहा कि आपसी सहयोग से यहां के युवाओं ने जो किया वह सराहनीय है। पर यदि बड़े पैमाने पर इस कार्य को करना है तो इसके लिए वैज्ञानिक ढंग से प्रस्ताव तैयार करना होगा। इसमें आने वाले पांच साल की कार्ययोजना तैयार करनी होगी तथा एक प्राक्कलन तैयार करना होगा। उन्होंने कहा कि इस कार्य में वे अपना सहयोग देने को तैयार हैं। उन्होंने अपना विद्यार्थी जीवन इसी गांव में बिताया था।

प्रो. पाण्डेय ने गोविन्द पटेल एवं उनके साथियों के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि हमें विरासत में बहुत कुछ मिला। हमें इस पर चिंतन और काम करने की जरूरत है कि हम आने वाली पीढ़ियों के लिए कैसी विरासत छोड़ कर जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि बचपन में उन्होंने तालाबों और कुओं का पानी भी बिना किसी संकोच के पिया है। आज बोतल बंद पानी पीने में भी डर लगता है। इस स्थिति को बदलने की जरूरत है।

प्रो. डीएन शर्मा एवं वरिष्ठ साहित्यकार रवि श्रीवास्तव एवं विद्या गुप्ता तथा रमेश पटेल ने भी संबोधित किया। भ्रमण दल में शानू मोहनन, स्वरूपानंद महाविद्यालय की प्राचार्य एवं इंटैक दुर्ग-भिलाई की संयोजक डॉ हंसा शुक्ला, फोटोग्राफर कांति भाई सोलंकी, डॉ प्रज्ञा सिंह, महिला महाविद्यालय की पूर्व प्राचार्य डॉ संध्या मदन मोहन, कमलेश चंद्राकर, चित्रकार डॉ महेश चतुर्वेदी, दीपक रंजन दास, डॉ अलका दास. जगमोहन सिन्हा, आदि सम्मिलित हुए।

भ्रमण के दौरान दल ने पंडितवा तालाब, कबीर मठ, दानी तालाब ताम्रपत्र, चरगोड़िया मंदिर,, टार तालाब, प्राचीन वृद्धेश्वर शिवलिंग, भानपुर, महामाया मंदिर, बूढ़ादेव, राजा किला, राज्य संरक्षित स्मारक चौखड़िया तालाब, शीतला मंदिर, अशोक कसार का कांसा उद्योग, रामलीला चौक, विष्णु प्रसाद ताम्रकार की अनूठी मूर्तिकला, पठऊवा शैली में निर्मित विमलचंद ताम्रकार का सौ साल पुराना घर भी देखा।

लैंगिक समानता को समर्पित रहा गर्ल्स कॉलेज का महिला दिवस

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। शासकीय डॉ वावा पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दुर्ग में विशाखा समिति एवं महिला सेल के तत्वावधान से प्राचार्य के मार्ग निर्देशन में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन किया गया।

अपने उद्बोधन में प्राचार्य डॉ रंजना श्रीवास्तव ने बताया कि लैंगिक समानता एवं अपने अधिकारों के प्रति जागरूकता को बढ़ावा देने के साथ महिलाओं को अपनी सफलता का जश्न मनाने का यह दिन है।

संयोजक डॉ रेशमा लाकेश ने इस वर्ष की थीम 'गिव टू गेन' की चर्चा की। उनके अनुसार यह अभियान उदारता और सहयोग की मानसिकता को प्रोत्साहित करता है, साथ ही ये एक वैश्विक पहल है जिसमे योगदान देने का अह्वाहन किया गया है। ये दान, ज्ञान, शिक्षा, प्रशिक्षण, मार्गदर्शन, धन आदि हो सकता है।

उच्च न्यायालय, बिलासपुर की अधिवक्ता सुश्री शहरीन सिद्दीकी ने विशाका समिति और कार्यस्थल पर महिला सुरक्षा के महत्व पर सारगर्भित व्याख्यान दिया।

इस अवसर पर डॉ मीनाक्षी अग्रवाल, डॉ सुषमा यादव, डॉ यशेश्वरी ध्रुव, डॉ मोनिया राकेश सिंह, श्रीमती ज्योति भरणे ने महिला के समानता, अधिकार, स्थिति, कानून आदि पर अपने विचार रखे।

छात्राओं में सुश्री आर्या अवस्थी, लुबना आलम ने कविताओं के माध्यम से अपनी भावनाएँ प्रस्तुत किया एवं उक्त कार्यक्रम में बड़ी संख्या में प्राध्यापकगण, कर्मचारी एवं छात्राऐं उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन वंदना बंजारे ने किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में महाविद्यालय की छात्राएं एवं स्टाफ उपस्थित रहे।

महिला दिवस पर 500 से अधिक हेलमेट और सुरक्षा सामग्री का वितरण

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर नगर पालिक निगम दुर्ग द्वारा महिलाओं के सम्मान, सुरक्षा और सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में महिलाओं की भागीदारी रही और कार्यक्रम उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ।

मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व सांसद एवं भाजपा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ. सरोज पांडेय शामिल हुईं, अध्यक्षता महापौर अलका बाघमार ने की। इस अवसर पर आयुक्त सुमित अग्रवाल, सभापति श्याम शर्मा, महिला एवं बाल विकास प्रभारी शशि साहू, नेता प्रतिपक्ष संजय कोहले, लीना देवांगन, काशीराम कोसरे, नीलेश अग्रवाल, सीएसपी, पूर्व महापौर चंद्रिका चंद्रकार, माया बेलचंदन, मानशी गुलाटी सहित जनप्रतिनिधि व कार्यक्रम के नोडल अधिकारी एवं कार्यपालन अभियंता विनीता वर्मा,अधिकारी सहायक अभियंता गिरीश दिवान व अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के दौरान भाजपा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ. सरोज पांडेय एवं महापौर अलका बाघमार द्वारा ट्रैफिक महिला पुलिस, महिला कमांडो, महिला पुलिसकर्मियों और महिला वाहन चालकों का सम्मान किया गया। इस दौरान 500 से अधिक ट्रैफिक पुलिस, महिला पुलिसकर्मियों, निगम महिला कर्मचारियों और महिला वाहन चालकों को हेलमेट वितरित किए गए, ताकि उन्हें सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक किया जा सके।

इसके साथ ही महिला कमांडो को उनके कर्तव्यों के बेहतर निर्वहन के लिए लाठी, टॉर्च, टोपी सहित अन्य आवश्यक सुरक्षा सामग्री का भी वितरण किया गया। इस पहल का उद्देश्य महिला सुरक्षा बलों के मनोबल को बढ़ाना और उन्हें आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराना है।

इस अवसर पर डॉ. सरोज पांडेय ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस केवल उत्सव का दिन नहीं, बल्कि महिलाओं के अधिकार, सम्मान और सशक्तिकरण को बढ़ावा देने का अवसर है। उन्होंने कहा कि महिलाओं को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक करना और उन्हें सुरक्षित वाहन चलाने के लिए प्रेरित करना बेहद जरूरी है।

महापौर अलका बाघमार ने कहा कि सड़क सुरक्षा आज के समय की एक महत्वपूर्ण आवश्यकता है। कई बार हेलमेट न पहनने के कारण गंभीर सड़क दुर्घटनाओं में लोगों की जान चली जाती है। ऐसे में महिलाओं को हेलमेट पहनने के लिए प्रेरित करना और उन्हें सुरक्षा उपकरण उपलब्ध कराना आवश्यक है।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर मातृशक्ति का सम्मान

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। राष्ट्रीय सर्व ब्राह्मण समाज भिलाई-दुर्ग द्वारा अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर समाज की मातृशक्ति के सम्मान में एक गरिमामय कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर के.एच. मेमोरियल स्कूल की प्राचार्या विभा झा एवं के.पी.एस. पब्लिक स्कूल नेहरू नगर की प्राचार्या सविता त्रिपाठी को उनके निवास स्थान पर जाकर समाज के पदाधिकारियों द्वारा पुष्पगुच्छ, शॉल, स्मृति-चिन्ह एवं प्रशस्ति-पत्र भेंट कर आत्मीयतापूर्वक सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में समाज के महिला प्रकोष्ठ की प्रतिनिधियों की भी बड़ी संख्या में सहभागिता रही, जिससे कार्यक्रम का वातावरण अत्यंत प्रेरणादायी एवं उत्साहपूर्ण बन गया। इस अवसर पर राष्ट्रीय महासचिव शशिकांत तिवारी ने कहा कि श्रीमती विभा झा एवं श्रीमती सविता त्रिपाठी द्वारा बड़े शैक्षणिक संस्थानों का सफल एवं कुशल संचालन किया जा रहा है, जिसके माध्यम से वे क्षेत्र के बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं। साथ ही वे सामाजिक गतिविधियों में भी सक्रिय रहकर समाज को सकारात्मक दिशा प्रदान कर रही हैं। उन्होंने आगे कहा कि महिलाएँ समाज की आधारशिला और रीढ़ होती हैं। मातृशक्ति में अद्भुत धैर्य, साहस और संवेदनशीलता का संगम होता है, जो किसी भी चुनौती का सामना कर सकती हैं।

बीएसपीएल का टूर्नामेन्ट का सेक्टर-1 स्टेडियम में उद्घाटन आज

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। बीएसपीएल कमेटी ने 9 मार्च से सेक्टर 1 स्टेडियम मे शाम 6:00 बजे से शुरू होने वाले किक्रेट को भव्य बनाने सभी को जवाबदारी सौंपी है। इस्पात भवन कॉफी हाउस में बीएसपीएल कमेटी की बैठक आयोजित की गई। बैठक में विनोद उपाध्याय, शारदा गुप्ता, वशिष्ठ वर्मा, अविनाश वेगी, गौरव कुमार, आईपी मिश्रा, जगजीत सिंह, अखिलेश उपाध्याय, वीरेंद्र, विवेक, मिथुन, श्रीनिवास, बिस्वनंदनाथ, राहुल राज, भानु साहू, आकाश, के. रवि, वासु सहित अन्य सदस्य उपस्थित थे। बैठक में विभिन्न समितियों का गठन किया गया।

वेलकम कमेटी प्रभारी - दिलीप साहू, प्रदीप पाल, उषाकर एवं सह प्रभारी - के. रवि, श्रीनिवास, स्टेज कमेटी प्रभारी आईपी मिश्रा, मृगेंद्र कुमार, जगजीत सिंह, दिल्ली राव, जोगिंदर कुमार मदन सेन, सह प्रभारी - ललित उपाध्याय, कुलदीपक तिवारी। ग्राउंड कमेटी प्रभारी - वीरेंद्र, विवेक सिंह, अखिलेश उपाध्याय, मुकेश सिंह, सह प्रभारी - अभिषेक सिंह, कृष्णमूर्ति, वासु, एस. महेश, संजय यादव, अर्जुन।

स्कोर कमेटी प्रभारी - विनोद देवघरे, पंकज तथा सह प्रभारी - श्रीनिवास, बिमल साहू, रवि भुइया, भानु साहू, सुमित।

लाइव स्कोर (क्रिक हीरोज) प्रभारी - कुलदीप मीना, विक्की, वेंकटेश, आकाश गुप्ता तथा सह प्रभारी चंद्र प्रकाश, शिवा। कमेंट्री कमेटी प्रभारी महेश साहू, दिलीप यादव, किरण, अभय यादव। स्नैक्स कमेटी प्रभारी बिहारी जी, महेश यादव, राहुल राज, ईश्वर साहू तथा सह प्रभारी प्रेम, सबोदीप सरदार, मोहन, चिरंजीवी, एमवी राव।

अंपायर कमेटी प्रभारी बिस्वनंदनाथ (साका), बिमलेश, काशी, परम, नीरज गावड़े, संतोष मैथ्यूज तथा सह प्रभारी आकाश, महेंद्र बोके, मिर्जा बेग।

मीडिया कमेटी प्रभारी हरिशंकर चतुर्वेदी, शीतल दुबे, दुर्गा चरण निशु पांडे सुभाष शर्मा राजेश सिंह है।

महिला दिवस पर जिला न्यायालय महिला कर्मियों का किया सम्मान

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में 7 मार्च को जिला न्यायालय दुर्ग में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। मुख्य न्यायाधिपति, छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय रमेश सिन्हा के प्रेरणादायी विचारों से प्रेरित इस कार्यक्रम का उद्देश्य न्यायालयीन परिसर में कार्यरत महिला कर्मियों के योगदान को सम्मानित करना तथा महिला सशक्तिकरण के प्रति जागरूकता को बढ़ावा देना था।

कार्यक्रम के दौरान जिला न्यायालय दुर्ग के वरिष्ठ महिला कर्मचारीगण को उनके दीर्घकालीन सेवाकाल, कर्तव्यनिष्ठा एवं उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित किया गया। इस अवसर पर न्यायालय परिवार के सदस्यों ने महिला सशक्तिकरण एवं समानता के महत्व पर प्रकाश डाला।

कार्यक्रम में प्रथम व्यवहार न्यायाधीश, वरिष्ठ श्रेणी के चतुर्थ अतिरिक्त न्यायाधीश, दुर्ग द्वारा अपने संबोधन में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए महिलाओं के अधिकारों एवं सुरक्षा से संबंधित महत्वपूर्ण विधिक प्रावधानों की जानकारी दी गई। इसके अतिरिक्त सप्तदश व्यवहार न्यायाधीश, कनिष्ठ श्रेणी, दुर्ग द्वारा इस वर्ष के अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की थीम गिव टू गेन पर अपना प्रेरणादायक वक्तव्य प्रस्तुत किया गया। अपने उद्बोधन में उन्होंने बताया कि समाज में सहयोग, संवेदनशीलता और परस्पर सम्मान की भावना को बढ़ावा देकर ही वास्तविक प्रगति और सशक्तिकरण संभव है।

Since 1972
CROWN-TV®
Choice Of Millions
Washing Machine / Cooler
Available All Size

CONTACT :
Atlas Radio Traders (Crown)
Sect.-3, D-48, Ward No. 22
Devendra Nagar, Raipur (C.G.) 492009
Near Akash Gas Agency Line

खास खबर

कंडेल की बेटी हिमांगिनी साहू का बीएसएफ में चयन

धमतरी। धमतरी जिले के गौरव ग्राम कंडेल निवासी उमेश साहू एवं प्रेमीन साहू की सुपुत्री हिमांगिनी साहू के सीमा सुरक्षा बल में चयनित होने पर क्षेत्र में खुशी का माहौल है। भारत माता की सेवा हेतु प्रशिक्षण में जाने से पूर्व उनके निवास पहुंचकर पूर्व प्रदेश भाजयुमो कार्यसमिति सदस्य डीपेंद्र साहू ने इस महत्वपूर्ण उपलब्धि पर उन्हें पुष्प गुच्छ, साल एवं श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया तथा उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी। डीपेंद्र ने कहा कि हिमांगिनी की यह उपलब्धि न केवल उनके परिवार बल्कि पूरे कंडेल ग्राम एवं क्षेत्र के लिए गर्व की बात है।

लंबी योग साधना के लिए बलवीर कौर सम्मानित

मनेन्द्रगढ़। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर, योग के क्षेत्र में निरंतर 17 वर्षों से सक्रिय बलवीर कौर को योग एवं प्राणायाम के विशिष्ट विस्तार, रुचि एवं समर्पण के लिए, एमसीबी जिला योग सेवा समिति के मंच पर सम्मानित किया गया। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित योग एवं प्राणायाम के प्रात: कालीन सत्र में यह सम्मान वरिष्ठ योग प्रशिक्षक सतीश उपाध्याय द्वारा दिया गया। योग सत्र का संचालन नीलम दुबे एवं बलवीर कौर के द्वारा किया गया। योग के नियमित अभ्यास के पश्चात बौद्धिक संवर्ग के अंतर्गत योग साधिकाओं के बीच ध्यान एकाग्र के लिए प्रतियोगिता आयोजित की गई।

मनरेगा से हो रहा महिलाओं का कौशल विकास, मिल रही रोजगार और आत्मनिर्भरता की नई राह

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। ग्रामीण महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) अहम भूमिका निभा रही है। मुंगेली जिले में इस योजना के तहत महिलाओं को रोजगार, कौशल विकास और आजीविका के अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इससे महिलाएं परिवार की आर्थिक मजबूती के साथ सामाजिक रूप से भी सशक्त बन रही हैं।

जिले में मनरेगा के तहत अब तक 98 हजार 512 से अधिक महिलाओं को रोजगार मिला है।

वहीं वित्तीय वर्ष 2025-26 में अब तक 69 हजार 927 महिलाओं को 19.56 लाख मानव दिवस का रोजगार प्रदान किया गया है। इससे प्रत्येक महिला को औसतन 7 हजार रुपये से अधिक की आय प्राप्त हुई है, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार आया है।

महिलाओं की आय बढ़ाने के लिए मनरेगा के तहत आजीविका डबरी का निर्माण कराया जा रहा है। इन डबरियों के

माध्यम से महिलाएं मछली पालन, सब्जी उत्पादन और कृषि कार्य कर अतिरिक्त आय अर्जित कर रही हैं। इसके साथ ही प्रोजेक्ट उन्नति के तहत श्रमिकों के कौशल विकास के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम भी संचालित किए जा रहे हैं।

ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान के माध्यम से 13 दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण आयोजित कर 35 स्व-सहायता समूहों की महिलाओं को कृषि सखी के रूप में प्रशिक्षित किया गया है।

मनरेगा कार्यों के संचालन में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए मेट पदों पर भी उन्हें प्राथमिकता दी जा रही है। जिले में अब तक 1,117 महिलाओं का चयन मेट के रूप में किया गया है, जो विभिन्न कार्यस्थलों पर श्रमिकों के समन्वय और कार्य संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं।

इसके अलावा इच्छुक महिलाओं को डबरी, पशु शेड, बकरी शेड और सूकर शेड जैसे हितग्राही मूलक कार्यों की स्वीकृति दी जा रही है। इन पहलों से ग्रामीण महिलाओं को स्थायी आजीविका के साधन मिल रहे हैं और वे आत्मनिर्भरता की ओर तेजी से आगे बढ़ रही हैं।

महतारी वंदन से मातृशक्ति को मिला आर्थिक संबल : साय

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर 69.48 लाख महिलाओं के खातों में 25वीं किश्त के 641.58 करोड़ अंतरित

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर बस्तर के लाल बहादुर शास्त्री मिनी स्टेडियम में आयोजित वृहद महतारी वंदन सम्मेलन-2026 में प्रदेश की माताओं-बहनों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ की मातृशक्ति समाज की सबसे बड़ी शक्ति है। उन्होंने कहा कि महिलाओं का आर्थिक और सामाजिक सशक्तिकरण ही विकसित छत्तीसगढ़ की मजबूत नींव है और राज्य सरकार का हर निर्णय महिलाओं के कल्याण, सम्मान और आत्मनिर्भरता को केंद्र में रखकर लिया जा रहा है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने इस अवसर पर महतारी वंदन योजना की 25वीं किश्त जारी करते हुए प्रदेश की 69.48 लाख महिलाओं के खातों में 641.58 करोड़ रुपये अंतरित किए। उन्होंने कहा कि यह योजना केवल आर्थिक सहायता का माध्यम नहीं, बल्कि माताओं-बहनों के आत्मविश्वास, सम्मान और आत्मनिर्भरता को मजबूत करने वाला जनकल्याणकारी अभियान बन चुकी है। महतारी वंदन योजना को जारी रखने के लिए राज्य सरकार ने इस वर्ष 8200 करोड़ रुपये का प्रावधान किया है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रदेश की माताएं-बहनें केवल परिवार का संचालन ही नहीं करतीं, बल्कि वे उत्कृष्ट वित्तीय प्रबंधक भी होती हैं। महतारी वंदन योजना से प्राप्त राशि का महिलाओं ने अत्यंत समझदारी से उपयोग किया है। किसी ने बेटियों के भविष्य के लिए बचत की, किसी ने स्वरोजगार शुरू किया, किसी ने परिवार के छोटे व्यवसाय को बढ़ाया, तो किसी ने बच्चों की शिक्षा और स्वास्थ्य पर खर्च कर घर की स्थिति को मजबूत बनाया। यह इस योजना की सबसे बड़ी सफलता है कि महिलाओं ने इसे स्वयं और परिवार की उन्नति का माध्यम बनाया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि नक्सलवाद अब अंतिम चरण में पहुंच चुका है। नक्सल हिंसा से प्रभावित परिवारों और आत्मसमर्पित नक्सलियों के पुनर्वास के लिए राज्य सरकार ने 15 हजार आवास स्वीकृत किए हैं। बस्तर सहित दूरस्थ अंचलों में शांति, विकास और विश्वास का नया वातावरण बन रहा है, जिसमें महिलाओं की भागीदारी विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि महिलाओं के सम्मान और सामाजिक सशक्तिकरण के लिए राज्य सरकार अनेक स्तरों पर कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के अंतर्गत पिछले दो वर्षों में 21,754 बेटियों के विवाह कराए गए हैं। 368 महतारी सदन बनाने की स्वीकृति दी गई है, जिनमें से 137 महतारी सदन का निर्माण पूर्ण हो चुका है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने बताया कि स्व-सहायता समूहों के माध्यम से महिलाओं की आय बढ़ाने के लिए राज्य सरकार लगातार पहल कर रही है। प्रदेश में अब तक 8 लाख महिलाओं को 'लखपति दीदी' बनाया जा चुका है और अब सरकार का लक्ष्य इसे बढ़ाकर 10 लाख लखपति दीदी बनाने का है। उन्होंने कहा कि महिलाएं अब केवल सहभागी नहीं, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था की नई नेतृत्वकारी शक्ति बनकर उभर रही हैं। इसी दिशा में महिला स्वसहायता समूहों के माध्यम से रेडी टू ईट फूड निर्माण का कार्य पुन: प्रारंभ कराया गया है और इसे चरणबद्ध रूप से प्रदेश के शेष जिलों में भी लागू किया जा रहा है, ताकि स्थानीय स्तर पर महिलाओं को व्यापक रोजगार के अवसर मिल सकें।

चन्द्रनाहू कुर्मी क्षत्रिय समाज को मुख्यमंत्री विष्णु साय ने दी सामुदायिक भवन की सौगात

रायपुर। जब समाज स्वयं अपने बच्चों की शिक्षा की जिम्मेदारी लेता है, तब नई पीढ़ी और अधिक आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ती है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने पारागांव में आयोजित चन्द्रनाहू कुर्मी क्षत्रिय समाज के दो दिवसीय वार्षिक अधिवेशन को संबोधित करते हुए यह बात कही। मुख्यमंत्री ने सामुदायिक भवन निर्माण के लिए 50 लाख रुपये देने के साथ ही पारागांव में सीसी रोड निर्माण के लिए 20 लाख रुपये की स्वीकृति प्रदान की।

मुख्यमंत्री श्री साय ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर उपस्थित सभी माताओं-बहनों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि महतारी वंदन योजना को दो वर्ष पूर्ण हो गए हैं और इस अवसर पर प्रदेश की लगभग 70 लाख महिलाओं के खातों में योजना की 25वीं किश्त की राशि अंतरित की गई है। उन्होंने कहा कि यह योजना महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि चन्द्रनाहू कुर्मी क्षत्रिय समाज का गौरवशाली इतिहास रहा है और इस समाज ने अनेक प्रतिभाशाली व्यक्तित्व दिए हैं। समाज के माध्यम से 2000 से अधिक विद्यार्थियों को शिक्षा का अवसर मिल रहा है, जो अत्यंत सराहनीय है। राज्य सरकार रोजगार के अवसर बढ़ाने की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार गरीब और जरूरतमंद परिवारों को पक्के मकान उपलब्ध कराने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है।

महतारी वंदन योजना महिला सशक्तिकरण के प्रति हमारी प्रतिबद्धता और प्रयासों का प्रतीक : उप मुख्यमंत्री शर्मा

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने महतारी वंदन योजना की 25 वीं किश्त की राशि बस्तर में आयोजित कार्यक्रम से जारी की। इस अवसर पर कवर्धा के वीर सावरकर भवन में महतारी वंदन सम्मेलन का आयोजन किया। इस आयोजन में उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा एवं सांसद संतोष पाण्डेय भी कार्यक्रम में शामिल हुए।

सम्मेलन में विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं को उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने प्रशस्ति पत्र और प्रतीक चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस दौरान जिला पंचायत अध्यक्ष ईश्वरी साहू, नगर पालिका अध्यक्ष चन्द्र प्रकाश चंद्रवंशी, उपाध्यक्ष कैलाश चंद्रवंशी, जनपद पंचायत अध्यक्ष सुषमा बघेल, जिला पंचायत सदस्य राम कुमार भट्ट, डॉ वीरेन्द्र साहू, सभापति सुष्मिता पटेल, नितेश अग्रवाल, विजय पटेल, मनीराम, मधु तिवारी, सुषमा चंद्रवंशी, जिला पंचायत सीईओ अभिषेक अग्रवाल, जिला कार्यक्रम अधिकारी आनंद तिवारी, पार्षदगण सहित महिलाएं उपस्थित रही।

उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने विश्व महिला दिवस की बधाई देते हुए कहा कि सिर्फ आज ही नहीं हर दिन महिला दिवस है। समाज में जब भी कुछ सकारात्मक बदलाव लाना होता है इसकी शुरुआत महिलाओं से होती है। पुरातन काल और हजारों वर्षों से यह हमारी परम्परा है, जहां माताओं का स्थान समाज में सर्वोच्च है। हमारे देश में माताएं देवियों के रूप में पूजित हैं। आदि शंकराचार्य ने जब मंडन मिश्रा से शास्त्रार्थ किया था तो निर्णायक की भूमिका भी एक विदुषी महिला उभय भारती जो कि मंडन मिश्रा की पत्नी थी, उन्होंने निभाई थी।

भारत में परिवर्तन के लिए महिला शक्ति को स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से आगे बढ़ाने का कार्य कर रहे हैं। महिलाओं को स्व रोजगार, उद्यमिता और सहकारिता से जोड़ते हुए लखपति दीदी के रूप आगे बढ़ाया जा रहा है। महतारी वंदन पूरे प्रदेश में सबसे बड़ी योजना है। महतारी वंदन योजना महिला सशक्तिकरण की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। हर माह 1 हजार रुपए की राशि महिलाओं को मिल रही है। आज योजना की 25 वीं किश्त जारी हो रही है। यह राशि महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बना रही है। महिलाएं स्व रोजगार और उद्यमिता को अपनाकर आय अर्जित कर रही हैं। जिससे वे अपने बच्चों और घर परिवार से जुड़े आर्थिक जरूरतों की पूर्ति खुद करने में सक्षम हो रही हैं।

उन्होंने आगे कहा कि महिलाओं के हाथ में योजना की राशि मिले और वे स्वयं अपने खाते से राशि निकाल सकें, इसके लिए हर पंचायत में अटल डिजिटल केंद्र खोल जा रहे हैं। जिससे महिलाओं को दूर शहरों में बैंक या सोसायटी तक जाना न पड़े। महिला स्व सहायता समूहों के लिए महतारी सदन का निर्माण किया जा रहा है, यह विशेष रूप से महिलाओं के लिए ही होगा। इसका निर्माण क्लस्टर लेवल फेडरेशन स्तर पर किया जा रहा है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सदन में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान किया गया है। यह नीति निर्धारण में महिलाओं की सहभागिता को बढ़ाएगा।

राजनांदगांव सांसद संतोष पांडे ने अपने सम्बोधन में कहा कि महिला एक परिवार ही नहीं बल्कि पूरे समाज और देश की नींव तैयार करती है। माँ के रूप में महिला शक्ति अपने संतान को जो शिक्षा और सीख देती है वैसा ही उसका विकास होता है।

जिला पंचायत अध्यक्ष ईश्वरी साहू ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में महिला सशक्तिकरण के लिए लगातार कार्य कर रही है, जिससे महिलाओं के आर्थिक और सामाजिक जीवन स्तर को और बेहतर बनाया जा सके। महतारी वंदन की राशि देने का वायदा किया था। सरकार बनने के बाद यह राशि जारी करने की शुरुआत की गईं अब तक 25 किश्त जारी की जा चुकी है। उल्लेखनीय है कि कबीरधाम जिले की 2.48 लाख से अधिक महिलाओं को महतारी वंदन योजना से अब तक 24 किश्तों में 563.49 करोड़ रुपए जारी किए जा चुके हैं।

ये हुए सम्मानित : उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं और सामाजिक संस्थाओं को सम्मानित किया गया। सम्मान प्राप्त करने वालों में गंगोत्री, यशोधरा मानिकपुरी, प्रीति सिंह परिहार, श्वेता शर्मा, पायल श्रीवास्तव, सरस्वती निषाद, चंद्र कुमारी, रंजना भट्ट, सुकून चंद्रवंशी, अनीता पाली, खुशबू, अनीता केसरवानी, रीना शर्मा, अश्वनी श्रीवास्तव, विवेका हैरिस, सरोज शर्मा, निकिता डड़सेना एवं संगीता साहू शामिल हैं। इसके साथ ही सामाजिक संस्था नई सोच नई राह नारी शक्ति टीम को भी समाज में महिलाओं के सशक्तिकरण और जनसेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मानित किया गया।

'नारी शक्ति विकास की धुरी, अंतिम पंक्ति की महिलाओं तक विकास पहुंचाने के लिए हम संकल्पित' - राज्यपाल

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस और रंग पंचमी के अवसर पर लोकभवन में महिला सम्मान समारोह और फूलों की होली का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में शिक्षा, स्वास्थ्य, चिकित्सा, उद्यम और पत्रकारिता के क्षेत्र में उल्लेखनीय भूमिका अदा करने वाली महिलाएं शामिल हुई।

इस अवसर पर राज्यपाल रमेन डेका ने प्रदेश के विभिन्न स्थानों से आई शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण, स्वच्छता, आदिवासी विकास के क्षेत्र में जमीनी स्तर पर कार्य कर रही महिलाओं का सम्मान किया। उन्होंने स्वास्थ्य कार्यकर्ता, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं का सम्मान कर प्रदेश में जन कल्याणकारी योजनाओं को जमीनी स्तर पर पहुंचाने और समाज के सभी लोगों की नि:स्वार्थ भाव से सेवा के लिए उनके योगदान की सराहना की।

श्री डेका ने देश के विकास में महिलाओं के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि नारी शक्ति इस देश के विकास की धुरी है और मेरी सरकार अंतिम पंक्ति की महिलाओं तक विकास पहुंचाने के लिए कृत संकल्पित है।

उन्होंने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस हम सभी के लिए एक गौरवशाली दिन है। यह

दिन महिला समानता की दिशा में कार्य करने प्रेरित करता है। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाते हुए, हम सभी को एक ऐसे विश्व के निर्माण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को पुन: मजबूत करना है जहाँ सभी महिलाओं को सशक्त, सम्मानित और समावेशी बनाया जा सके।

श्री डेका ने कहा कि बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, महिला शक्ति केंद्र, उज्ज्वला योजना, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, प्रधानमंत्री महिला शक्ति केंद्र योजना, वन स्टॉप सेंटर और महिला हेल्पलाइन जैसी योजनाएं महिलाओं के सशक्तिकरण में मददगार साबित हुई है। महिला सशक्तिकरण एक सतत और प्रगतिशील समाज के निर्माण का शक्तिशाली साधन है। इसलिए, छत्तीसगढ़ सरकार ने भी महिलाओं के उत्थान और सशक्तिकरण के लिए कई योजनाएँ और नीतियाँ विकसित की हैं। महतारी वंदन योजना, मुख्यमंत्री नोनी सशक्तीकरण सहायता योजना, किशोरी शक्ति योजना और सुकन्या योजना का उद्देश्य लड़कियों को लाभ पहुँचाना है।

इस अवसर पर स्पीकर के रूप में आमंत्रित डॉ. शम्पा चौबे ने कहा कि महिलाओं को सशक्त होने के लिए सबसे पहले अपनी मन:स्थिति को मजबूत करना आवश्यक है। शिक्षिका रंजीता साहू ने सुदूर क्षेत्रों में शिक्षा का अलख जगाने की यात्रा के अनुभव साझा किए। उन्होंने बताया कि लोकभवन के प्रति उनके मन में बहुत आदर है क्योंकि 2005 में उनके पति को तात्कालिक राज्यपाल श्री के. एम. सेठ ने शिक्षा के लिए आर्थिक सहयोग प्रदान किया था। इसलिए वे और उनके पति गरीब बच्चों की बेहतर शिक्षा की दिशा में काम कर रहे है। उन्होंने 12 लाख रूपए का बैंक लोन लेकर वनांचल क्षेत्रों में 162 स्कूलों में स्मार्ट टी.व्ही. के माध्यम से आधुनिक शिक्षा के लिए काम किया। इसके अलावा गुल्लक कार्यक्रम चलाकर बचत हेतु प्रेरित किया। अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी सुश्री नेहा यादव ने अपनी सफलता के पीछे अपनी मां की भूमिका को रेखांकित करते हुए बताया कि उनकी मां ने एक सिंगल पैरेंट के रूप में उनका पालन पोषण किया। जबकि उनके जन्म के पहले ही पिता द्वारा त्याग दिए जाने के बाद उनके पास आय का कोई जरिया नहीं था फिर भी उन्होंने अकेले ही अपनी बेटी को अच्छी परवरिश दी और अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी बनाया। कार्यक्रम में डॉ प्रीति सतपथी ने महिलाओं से जुड़े आवश्यक कानूनों और अधिनियमों की जानकारी दी। इस अवसर पर श्रीमती प्रदीपा प्रसन्ना ने वनांचल क्षेत्रों में कार्य के अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ की महिलाओं की सराहना करते हुए कहा कि यहाँ की महिलाएं संघर्ष करते हुए भी मजबूती से अपने घर और समाज के विकास में योगदान दे रही हैं, जो प्रेरणादायक है।

राज्यपाल के गोद ग्राम से आए सोनपुरी की निलेश्वरी वर्मा, सोहद्रा पाल, ग्राम बिजली की हेम कुमारी निषाद, पुरईन निषाद, ग्राम टेमरी जिला बेमेतरा की रितु देवांगन, पूजा घृतलहरे का सम्मान किया साथ ही उन्होंने स्वास्थ्य विभाग, धरसींवा अनुबाला चक्रवर्ती, विकासखण्ड अधिकारी शिखा कुशवाहा, अस्पताल परिचालक आरती देवांगन, माधूरी बरवा, महिला बाल विकास, निमोरा की सहायिका कार्यकर्ता रामवती साहू, महिला बाल विकास, तुता की सहायिका कार्यकर्ता लक्ष्मी यादव, नगर निगम, रायपुर सुपरवाईजर पिंकी तांडी, वर्षा तांडेकर, पं. रविशंकर शुक्ल विवि, रायपुर की कर्मचारी टी मोहिनी, कलेक्टोरेट, रायपुर ज्योति साहू, पूनम सिंह ठाकुर, सुजाता शेष, रूद्राणी सिंह राजपूत, गोपा सान्याल, डॉ. प्रीति सतपथी, लोकभवन कर्मचारी कुसुम मानिकपुरी, अन्नपूर्णना महोबिया, श्यामा वर्मा, महिला आरक्षक को सम्मानित किया गया। इस अवसर राज्यपाल ने जी. एस. टी. से संबंधित ई-बुक का भी विमोचन किया।

भागम भाग 2 में मीनाक्षी चौधरी की एंट्री पक्की

बोलीं - अक्षय कुमार की चेली बनकर रहूंगी

साउथ फिल्मों की चर्चित अभिनेत्री मीनाक्षी चौधरी अब बॉलीवुड में कदम रखने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। उन्होंने आधिकारिक तौर पर पुष्टि की है कि वो अक्षय कुमार की सुपरहिट कॉमेडी फिल्म के सीक्वल भागम भाग 2 के जरिए हिंदी सिनेमा में अपनी शुरुआत करेंगी। मीनाक्षी ने इसे अपने करियर का एक बड़ा मोड़ बताते हुए कहा कि अक्षय जैसे सुपरस्टार के साथ काम करने का अवसर उन्हें बिल्कुल सही समय पर मिला है।

उन्होंने बातचीत में कहा, मुझे ऐसा लगता है कि ये मौका तब आया, जब मैं बिल्कुल इसी तरह की किसी चीज की तलाश में थी। मैं ऐसी कहानियां ढूंढ रही थी, जिसे पूरा परिवार एक साथ बैठकर देख सके। मैंने बचपन में इस फिल्म का पहला भाग देखा था और मुझे वो बहुत पसंद आया था, इसलिए इस फिल्म का हिस्सा बनना ऐसा लगता है जैसे ये बिल्कुल सही समय पर मेरे पास आई है।

मीनाक्षी ने आगे कहा, इससे पहले कई प्रोजेक्ट्स मेरे पास आए थे, उनकी कहानियों में मेरी उतनी दिलचस्पी नहीं थी, लेकिन जब भागम भाग 2 मेरे पास आई तो इसमें सिर्फ और सिर्फ हंसी और मनोरंजन का एहसास हुआ। मुझे लगता है कि आपकी उम्र चाहे जो भी हो या आप किसी भी भाषा के हों, इस फिल्म की कहानी और इसके किरदार आपसे जरूर जुड़ेंगे। आप चाहे किसी भी भाषा में इसे देखें, आप इसका भरपूर आनंद लेंगे।

अक्षय की कॉमिक टाइमिंग के साथ तालमेल बैठाने के सवाल पर मीनाक्षी बोलीं, मैं सेट पर सबसे बड़ी छात्रा बनकर रहूंगी, जैसे गुरु के पास चेले होते हैं। वो जो कहेंगे, मैं वही सीखने और पालन करने की कोशिश करूंगी। मैं इस सेट पर वही बनने जा रही हूं और उनसे जितना हो सके, उतना सीखने की कोशिश करूंगी। आपको हर दिन किसी ऐसे व्यक्ति के साथ काम करने का मौका नहीं मिलता, जो अपने काम में इतना अद्भुत हो। इस सीक्वल की कमान ड्रीम गर्ल के निर्देशक राज शांडिल्य के हाथों में है, जिन्होंने फिल्म की कहानी भी लिखी है।

हालांकि, निर्माताओं ने अभी तक रिलीज तारीख का खुलासा नहीं किया है। फिल्म में अक्षय के साथ कॉमेडी के बादशाह परेश रावल, मनोज बाजपेयी और अभिनेत्री आयशा खान भी अहम भूमिका में नजर आएंगी। ये 2006 की सुपरहिट फिल्म भागम भाग का आधिकारिक सीक्वल है, जिसका प्रशंसक सालों से इंतजार कर रहे थे।

ओह माय गॉड्डेस में सामने आया रानी मुखर्जी की एंट्री का सच, पटरी से उतरी बातचीत

बॉलीवुड गलियारों में काफी समय से चर्चा थी कि रानी मुखर्जी जल्द ही अक्षय कुमार के साथ फिल्म ओह माय गॉड्डेस में नजर आएंगी। हालांकि, अब इस पर एक बड़ा अपडेट सामने आया है, जिसने इन तमाम अटकलों पर विराम लगा दिया है। खबर है कि रानी को इस फिल्म के लिए कभी साइन किया ही नहीं गया था। प्रशंसकों के बीच इस नई जोड़ी को लेकर काफी उत्साह था, लेकिन क्या था कास्टिंग का पूरा सच आइए जानते हैं।

अक्षय-रानी के पहली बार रुपहले पर्दे पर एक साथ नजर आने की खबर ने फैंस को उत्साहित कर दिया था, लेकिन अब ऐसा होता नहीं दिख रहा है।

रिपोर्ट के मुताबिक, रानी अब ओह माय गॉड्डेस फ्रेंचाइजी की तीसरी किस्त का हिस्सा नहीं हैं। फैंस दोनों सितारों को साथ देखने के लिए बेहद उत्साहित थे, लेकिन रानी के फिल्म से अलग होने के कारण अक्षय के साथ अब उनका ये बहुप्रतीक्षित मिलन ठंडे बस्ते में चला गया है।

अक्षय की सुपरहिट फ्रेंचाइजी ओह माय गॉड्डेस के तीसरे भाग ओह माय गॉड्डेस में रानी की एंट्री को लेकर चल रही खबरें अब पूरी तरह अफवाह साबित हुई हैं। रानी को फिल्म में मुख्य नायक के तौर पर लेने की बात चल रही थी, जबकि अक्षय पिछले भागों की तरह ही एक खास कैमियो करने वाले थे। रानी ने फिल्म की कहानी सुनी थी और इसमें दिलचस्पी भी दिखाई थी, लेकिन बात उससे आगे नहीं बढ़ पाई।

सूत्र ने बताया, अक्षय-रानी के बीच सालों पुराने और बहुत अच्छे रिश्ते हैं। वो दोनों पहली बार एक साथ काम करने के लिए वास्तव में उत्साहित भी थे, लेकिन वो बातचीत बहुत शुरुआती दौर की थी। दोनों सितारों के बीच इस प्रोजेक्ट को लेकर केवल चर्चा हुई थी, लेकिन बात कभी आधिकारिक साइनिंग या कॉन्ट्रैक्ट तक नहीं पहुंची। धर्म, आस्था व धार्मिक संस्थाओं पर करारे प्रहार के लिए मशहूर ओह माय गॉड्डेस फ्रेंचाइजी इस बार बिल्कुल नए कलेवर में लौटने वाली है।

ओह माय गॉड और ओह माय गॉड 2 की सफलता के बाद निर्माता तीसरी किस्त ओह माय गॉड्डेस को नारी शक्ति के ईश्वरीय दृष्टिकोण के साथ पेश करने की तैयारी में हैं। जहां पिछली फिल्मों में भगवान कृष्ण और भगवान शिव के दूत के रूप में पुरुष प्रधान दृष्टिकोण दिखाया गया था, वहीं इस बार कहानी देवी के इर्द-गिर्द बुनी जाएगी।

रानी की हालिया रिलीज फिल्म मर्दानी 3 ने बॉक्स ऑफिस पर सफलता के ंडे गाड़ दिए हैं। अब जल्द ही उन्हें शाहरुख खान की बहुचर्चित फिल्म किंग में देखा जाएगा। सिद्धार्थ आनंद के निर्देशन में बन रही इस फिल्म में उनका एक खास कैमियो होने वाला है।

सुपरस्टार राम चरण की आगामी फिल्म पेड्डी लंबे समय से लोगों का ध्यान खींच रही है। 2025 में आई गेम चेंजर की निराशाजनक परफॉर्मेंस के बाद, राम की इस फिल्म से लोगों की उम्मीदें काफी ज्यादा हैं।

फिल्म पेड्डी से जाह्नवी कपूर का नया लुक जारी, गांव की छोरी बनकर मचाएंगी धमाल

बुची बाबू सना द्वारा निर्देशित पेड्डी में जाह्नवी कपूर बतौर मुख्य अभिनेत्री नजर आएंगी। चूकि 6 मार्च को अभिनेत्री 29 साल की हो गई हैं। इस खास मौके पर फिल्म से उनकी नई झलक जारी की गई है।

30 अप्रैल को रिलीज हो रही पेड्डी में, जाह्नवी को अचियम्मा के रूप में पेश किया गया है। पोस्टर में वह साहसी, आत्मविश्वासी और ऊर्जा से भरपूर दिखी हैं। सूती कपड़ों के साथ, गोल फ्रेम का चश्मा लगाए उनका लुक गांव की देहाती छोरी जैसा प्रतीत होता है। बता दें, जाह्नवी और राम की जोड़ी पहली बार पर्दे पर दिखेगी, लेकिन यह अभिनेत्री की दूसरी तेलुगु फिल्म है। इससे पहले उन्हें जूनियर एनटीआर की फिल्म देवरा में देखा गया था।

हेमा ने कामकाजी महिलाओं को सराहा, ट्विंकल खन्ना ने लिखा लेख

हुमा ने तस्वीर शेयर कर दी महिला दिवस की बधाई

हेमा मालिनी

हेमा मालिनी ने इंस्टाग्राम पर महिला दिवस की शुभकामनाएं देते हुए लिखा 'हर कोई अपने तरीके से कमाल की है। सभी काबिल मल्टीटास्कर, होममेकर, बिजनेस वुमन जिन्होंने वर्क-लाइफ बैलेंस की कला में महारत हासिल की है। आप सभी को एक शाउट आउट, आप जहां भी हों! याद रखें, आप भगवान की एक अनोखी रचना हैं। बस अपनी शर्तों पर जिंदगी का मजा लेना सीखें!

करीना कपूर

करीना कपूर ने महिला दिवस की शुभकामनाएं देते हुए लिखा, 'कभी मत भूलिए कि आप अपनी फेवरेट हैं।' यह डायलॉग करीना ने फिल्म 'जब वी मेट' में बोला था, जो आज भी काफी पॉपुलर है।

हुमा कुरैशी

हुमा कुरैशी ने अपनी कई तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर करते हुए लिखा है 'उस महिला के लिए जिसने स्क्रीन पर मेरी कहानियों को आकार दिया, और स्क्रीन के बाहर मेरी जिंदगी को प्रेरणा दी। महिला दिवस की शुभकामनाएं।'

ट्विंकल खन्ना

ट्विंकल खन्ना ने इंस्टाग्राम पर अपनी एक तस्वीर शेयर की है। इसके साथ उन्होंने महिला दिवस पर लिखा हुआ अपना लेख शेयर किया है। पोस्ट के कैप्शन में उन्होंने लिखा है 'मुझे बताओ, तुमने आखिरी बार अपनी मां को कब बताया था कि वह तुम्हारे लिए कितनी मायने रखती हैं?'

अनुपम खेर

अभिनेता अनुपम खेर ने महिला दिवस के मौके पर एएनआई से कहा 'महिला दिवस पर दुनिया की सभी महिलाओं को मेरा दिल से सलाम। मेरा सच में मानना है कि जिसके पास किसी और जिंदगी को जन्म देने की ताकत है, वह सबसे महान है। वह एक महिला है।'

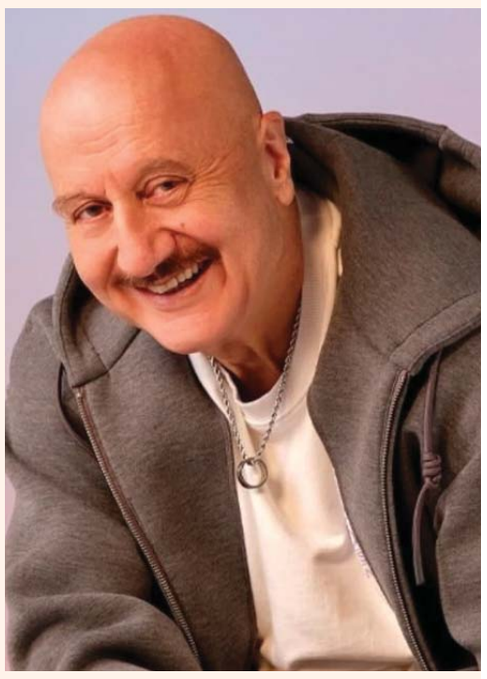

ग्रीन टी पीते समय न करें ये 5 गलतियां स्वास्थ्य पर पड़ सकता है नकारात्मक प्रभाव

ग्रीन टी को सेहत के लिए बहुत फायदेमंद माना जाता है क्योंकि यह एंटी-ऑक्सीडेंट्स से भरपूर होती है। हालांकि, कई लोग इसे पीते समय कुछ गलतियां कर देते हैं, जिनसे इसका पूरा फायदा नहीं मिल पाता। कई लोग ग्रीन टी का सही तरीके से सेवन नहीं करते हैं, जिससे उन्हें उससे उतना लाभ नहीं मिल पाता। आइए जानते हैं कि ग्रीन टी का सेवन करते समय किन-किन गलतियों से बचना चाहिए।

बहुत गर्म ग्रीन टी पीना

बहुत गर्म ग्रीन टी पीना सेहत के लिए नुकसानदायक हो सकता है। इससे आपके गले और पेट में जलन हो सकती है। इसके अलावा यह आपके खाने को पचाने की प्रक्रिया को भी प्रभावित कर सकता है। ग्रीन टी को हमेशा हल्का गर्म या सामान्य तापमान पर ही पिएं। ऐसा करने से आपको इसका पूरा लाभ मिलेगा और किसी भी तरह की परेशानी का सामना नहीं करना पड़ेगा। इसलिए ग्रीन टी को हमेशा सामान्य तापमान पर ही पिएं।

खाली पेट ग्रीन टी न पिएं

खाली पेट ग्रीन टी पीने से आपके पेट में एसिड बढ़ सकता है, जिससे जलन या गैस जैसी समस्याएं हो सकती हैं। इसके अलावा खाली पेट ग्रीन टी पीने से खाने को पचाने की प्रक्रिया भी प्रभावित हो सकती है। हमेशा थोड़ी मात्रा में कुछ खाने के बाद ही ग्रीन टी का सेवन करें। इससे आपको इसका पूरा लाभ मिलेगा और किसी भी तरह की परेशानी का सामना नहीं करना पड़ेगा।

चीनी या दूध मिलाकर पीना

ग्रीन टी में चीनी या दूध मिलाकर पीने से उसके प्राकृतिक गुण कम हो सकते हैं। चीनी मिलाने से कैलोरी बढ़ जाती हैं और दूध मिलाने से उसकी पचने की प्रक्रिया धीमी हो सकती है। ग्रीन टी को बिना किसी मिलावट के ही पीना चाहिए ताकि उसके सभी लाभ मिल सकें। बिना किसी मिलावट के पीने से आपको इसकी असली मिठास का अनुभव होगा यह आपके स्वास्थ्य के लिए भी बेहतर है।

ज्यादा मात्रा में सेवन करना

कुछ लोग यह मानते हैं कि जितनी ज्यादा मात्रा में वे ग्रीन टी का सेवन करेंगे, उन्हें उतना ही ज्यादा फायदा होगा। यह धारणा गलत है क्योंकि ज्यादा मात्रा में ग्रीन टी पीने से उल्टी, दस्त और पेट दर्द जैसी समस्याएं हो सकती हैं। इसलिए दिन में 2 से 3 कप से ज्यादा न पिएं। इससे आपको स्वास्थ्य लाभ मिलेगा और किसी भी तरह की परेशानी का सामना नहीं करना पड़ेगा। हमेशा संतुलित मात्रा में ही पिएं।

लंबे समय तक छोड़ देना

कई लोग अपनी ग्रीन टी की पत्तियों को लंबे समय तक छोड़ देते हैं, जिससे उनमें मौजूद पोषक तत्व कम होने लगते हैं। इसके अलावा ग्रीन टी की पत्तियां खुली छोड़ देने पर उनमें नमी आ जाती है, जिससे उनमें फफूंद लगने लगती है। ग्रीन टी की पत्तियों को हमेशा एयरटाइट डिब्बे में स्टोर करके रखना चाहिए।

खास खबर

नारी शक्ति के उत्थान और सशक्तीकरण को समर्पित है भाजपा सरकार - किरण देव

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष किरण देव ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर प्रदेश की समस्त माताओं, बहनों और बेटियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दी हैं। श्री देव ने कहा कि आज का दिन नारी शक्ति के अदम्य साहस, समर्पण और राष्ट्र निर्माण में उनकी अतुलनीय भूमिका को नमन करने का दिन है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष श्री देव ने इस मौके पर नारी शक्ति के राजनीतिक, आर्थिक और सामाजिक सशक्तीकरण के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि श्री मोदी के नेतृत्व में 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' पारित कर महिलाओं को लोकतंत्र में उनकी सही भागीदारी सुनिश्चित की गई है। उज्ज्वला योजना, स्वच्छ भारत मिशन के तहत शौचालय निर्माण और मुद्रा योजना के जरिए केंद्र सरकार ने महिलाओं के जीवन स्तर को ऊँचा उठाने का ऐतिहासिक कार्य किया है।

महिला दिवस पर खेलों के माध्यम से सशक्तिकरण का संदेश

सुकमा। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर जिला प्रशासन सुकमा के तत्वावधान व कलेक्टर अमित कुमार के मार्गदर्शन में मिनी स्टेडियम सुकमा में जिला स्तरीय महिला खेलकूद प्रतियोगिता 2026 का उत्साहपूर्ण आयोजन किया गया। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य जिले की महिलाओं और बालिकाओं में खेल भावना को बढ़ावा देना तथा उनकी प्रतिभाओं को मंच प्रदान करना था। प्रतियोगिता में जिले के तीनों विकासखंडों से 200 से अधिक प्रतिभागियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। प्रतियोगिता के अंतर्गत कबड्डी, खो-खो, वॉलीबॉल, रस्साकशी, 100 मीटर दौड़ तथा 4म100 मीटर रिले रेस सहित विभिन्न खेलों का आयोजन किया गया।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर बस्तर संभाग में महा जनसुनवाई सप्ताह

सुकमा। छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग द्वारा अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में महिलाओं के सशक्तिकरण और उनकी शिकायतों के त्वरित समाधान के लिए 'महा जनसुनवाई सप्ताह' का आयोजन किया जा रहा है। यह विशेष अभियान 8 मार्च से शुरू होकर 13 मार्च तक चलेगा, जिसका मुख्य केंद्र इस बार बस्तर संभाग को बनाया गया है।
राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ. किरणमयी नायक के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम का समापन 13 मार्च को होगा। जो कलेक्ट्रेट बस्तर के प्रेरणा कक्ष में 13 मार्च को आयोजित की जाएगी, इस दौरान बस्तर संभाग के सभी सात जिलों बस्तर, दंतेवाड़ा, कोण्डागांव, नारायणपुर, कांकेर, बीजापुर और सुकमा की पीड़ित महिलाओं की शिकायतों पर सीधी सुनवाई कर उन्हें न्याय दिलाया जाएगा। इस अवसर पर अध्यक्ष डॉ. किरणमयी नायक, संभाग प्रभारी दीपिका शोरी, सह-प्रभारी ओजस्वी मंडावी एवं सरला कोसरिया उपस्थित रहेंगी।

महिला दिवस के अवसर पर गुमनाम नायिकाओं का सम्मान एक उल्लेखनीय पहल - राज्यपाल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राज्यपाल रमेन डेका अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर रायपुर में आयोजित आज की नारी अवार्ड एंड कॉनक्लेव में शामिल हुए।

उन्होंने इस अवसर पर कला, साहित्य, युवा कल्याण, राजनीति, शिक्षा, उद्यम, फ़िल्म, लोक कला, महिला उत्थान जैसे विभिन्न क्षेत्रों में अपना योगदान देने वाली महिलाओं का सम्मान भी किया। उन्होंने सभी महिलाओं को शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि महिला दिवस के अवसर पर गुमनाम नायिकाओं का सम्मान एक उल्लेखनीय पहल है। उन्होंने बताया की आज लोक भवन में भी उनके द्वारा समाज की अंतिम पंक्ति की गुमनाम नायिकाओं का सम्मान किया गया जो अपने अथक परिश्रम और समर्पण से देश के विकास में योगदान दे रही हैं। आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, स्वास्थ्य कार्यकर्ता , सफ़ाई कर्मचारी , के रूप में कार्य कर रही महिलाओं का सम्मान करते हुए उनके योगदान की सराहना की। उन्होंने कहा कि महिलाओं के बिना सृष्टि अधूरी है। माँ ,बहन ,पत्नी और बेटी की भूमिका में महिलायें परिवार को जोड़कर रखती हैं। महिलाओं के अंदर परिवार को अनुशासन में रखने की अद्भुत क्षमता होती है। सबसे महत्वपूर्ण योगदान माँ का होता है ।बच्चों के लिए माताओं का त्याग और बलिदान अमूल्य है। माताएं अपना पूरा जीवन अपनी संतान के भले के लिए न्योछावर कर देती है। इसलिए हमें अपने बुजुर्ग माता पिता के साथ ज़्यादा से ज़्यादा समय बिताना चाहिए।

मैं भारत हूं थीम पर भव्य बाइक-स्कूटी रैली गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज

2000 से अधिक महिलाओं की ऐतिहासिक भागीदारी, रायपुर में गूंजा राष्ट्रभक्ति और नारी शक्ति का संदेश

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर राजधानी रायपुर में मैं भारत हूं थीम पर भव्य बाइक-स्कूटी रैली का आयोजन किया गया। मातृशक्ति की ऐतिहासिक भागीदारी से सजी इस रैली में 2000 से अधिक महिलाओं ने हिस्सा लिया और राष्ट्रभक्ति, अनुशासन तथा महिला सशक्तिकरण का सशक्त संदेश दिया। यह रैली अपनी विशिष्टता और व्यापक सहभागिता के कारण गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज की गई।

रैली का शुभारंभ माँ काली मंदिर से हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत सामूहिक वंदे मातरम् गान के साथ हुई। इसके बाद अखिल भारतीय धर्मजागरण समन्वय कार्यसमिति सदस्य राजेंद्र प्रसाद श्रीवास्तव और श्रीमती विभा अवस्थी ने हरी झंडी दिखाकर रैली को रवाना किया।

रैली का नेतृत्व महिला पुलिस कर्मियों के अनुशासित दस्ते ने किया, जिसके पीछे हजारों महिलाएं हाथों में तिरंगा लिए उत्साहपूर्वक आगे बढ़ीं। यह रैली माँ काली मंदिर से प्रारंभ होकर शहर के प्रमुख मार्गों से गुजरते हुए श्रीराम मंदिर, वीआईपी चौक पर संपन्न हुई। रास्ते भर नागरिकों ने पुष्पवर्षा कर रैली का स्वागत किया। कार्यक्रम की संयोजिका डॉ. भारवि वैष्णव और सह-संयोजिका तथा नगर निगम पार्षद डॉ. अनामिका सिंह के नेतृत्व में पूरे आयोजन का सफल संचालन किया गया।

समापन समारोह में उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा भी शामिल हुए। उन्होंने महिलाओं का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि समाज में यातायात नियमों का पालन करने का संदेश देने के लिए आज महिलाओं ने जो स्कूटी रैली निकाली वह गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में शामिल हो गयी है यह हमारे लिए गर्व का विषय है। उन्होंने अपने जीवन में अपनी बुआ अपनी मां अपनी पत्नी जैसी सशक्त महिलाओं के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि महिलाएं पुरुषों से अधिक सहनशील और ज्यादा मजबूत होती हैं।

उन्होंने स्वामी विवेकानंद के प्रेरक प्रसंग को याद करते हुए कहा कि यदि आज भारत की संस्कृति शाश्वत है, इस अविरल संस्कृति और सभ्यता को कोई आगे लेकर जाने वाला है तो वह भारत की महिलाएं हैं। अगर जीजा बाई ना होती तो शिवाजी का अस्तित्व नहीं होता और कौशल्या माता के संस्कार से ही तो भगवान श्री राम का अस्तित्व है। हर कामियाब व्यक्ति के पीछे महिला का हाथ होता है। उन्होंने कहा कि आज महिलाएं शासन की योजनाओं का लाभ लेकर लखपति दीदी से करोड़पति दीदी तक का सफर तय कर रहीं हैं और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ करने का भी कार्य कर रही हैं। महिलाओं के संकल्प के आगे कोई टिक नहीं सकता आज नक्सलावाद के नासूर को जड़ से मिटाने के लिए दिन रात पहाड़ों में रहकर कार्य करने वाली पुलिस विभाग की महिलाओं का भी उन्होंने अभिनंदन किया।

गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड के अधिकृत उद्घोषक सोनल शर्मा ने घोषणा करते हुए कहा कि समाज में सकारात्मक संदेश देने और यातायात नियमों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से आयोजित यह स्कूटी रैली गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में शामिल की गई है, जो रायपुर और पूरे प्रदेश के लिए गर्व का विषय है।

अखिल भारतीय धर्मजागरण विभाग के प्रमुख राजेंद्र सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि संगठित मातृशक्ति ही राष्ट्र की वास्तविक शक्ति और संस्कृति की संरक्षक है। वहीं बाल संरक्षण आयोग की अध्यक्ष डॉ वर्णिका शर्मा ने कहा कि आज की नारी हर क्षेत्र में अग्रणी है और यह आयोजन महिलाओं के आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता का प्रतीक है। आयोजन की संयोजिका डॉ. भारवि वैष्णव ने कहा कि रायपुर की सड़कों पर उमड़ा मातृशक्ति का यह जनसैलाब भारतीय नारी के राष्ट्रप्रेम और समर्पण का प्रमाण है। वहीं डॉ. अनामिका सिंह ने कहा कि महिला सशक्तिकरण तभी पूर्ण है जब नारी मानसिक और सामाजिक रूप से सशक्त हो। उन्होंने कार्यक्रम के सफल आयोजन में सहयोग देने के लिए पुलिस प्रशासन और स्वयंसेवकों का आभार व्यक्त किया।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर महिलाओं को मिली आत्मनिर्भरता की राह

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर कोंडागांव जिले की महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में लखपति दीदी पहल के अंतर्गत चार महिलाओं को ई-रिक्शा प्रदान किया गया। बस्तर विकास प्राधिकरण की उपाध्यक्ष एवं कोंडागांव विधायक लता उसेंडी ने रविवार को मोर सुआद में जिले की चार महिलाओं को ई-रिक्शा वितरित किया गया। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष नरपति पटेल, कलेक्टर नूपुर राशि पन्ना एवं पुलिस अधीक्षक पंकज चंद्रा भी उपस्थित रहे। इस दौरान विधायक उसेंडी एवं कलेक्टर पन्ना ने सभी महिलाओं को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि इस पहल से महिलाओं को स्वरोजगार का अवसर मिलेगा और वे आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनने की दिशा में आगे बढ़ सकेंगी।

दीदी ई-रिक्शा योजना के अंतर्गत छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल में पंजीकृत हितग्राहियों को ई-रिक्शा प्रदान किया गया। इनमें ग्राम सातगांव की मेहन्दी बाई पाण्डे, ग्राम पंचायत दुधगांव चिखलपुटी की बुका कश्यप और सोमारी बाई तथा ग्राम संबलपुर निवासी मीना पटेल शामिल हैं। इस पहल से महिलाओं को रोजगार के नए अवसर प्राप्त होंगे तथा वे अपने परिवार की आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकेंगी। जिला पंचायत के सीईओ अविनाश भोई के मार्गदर्शन में राष्ट्रीय ग्रामीण आजिविका मिशन बिहान की टीम का स्वसहायता समूह की महिलाओं को शासन की महात्वाकांक्षी योजना का लाभ दिलाने में महत्वपूर्ण योगदान रहा।

इस अवसर पर एनआरएलएम के जिला मिशन प्रबंधक विनय सिंह, डीपीएम कुंजलाल सिंन्हा एवं दुर्योधन मेघ, बीपीएम फ गूराम साहू, श्रम विभाग के अधिकारी कर्मचारी सहित समूह की महिलाएं उपस्थित रहीं।

प्रोजेक्ट अजा से आत्मनिर्भर बनीं गीता वर्मा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस महिलाओं की शक्ति, आत्मनिर्भरता और सशक्तिकरण का प्रतीक है। आज महिलाएं अपने साहस और परिश्रम के दम पर न केवल अपने परिवार बल्कि समाज के विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। इसी का एक प्रेरणादायक उदाहरण रायपुर जिले के आरंग विकासखंड के ग्राम चटौद की श्रीमती गीता वर्मा हैं, जिन्होंने प्रोजेक्ट अजा के माध्यम से बकरी पालन को अपनाकर आर्थिक आत्मनिर्भरता की मिसाल पेश की है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के मार्गदर्शन और कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह के निर्देशानुसार जिले में महिलाओं को स्वरोजगार से जोड़ने के उद्देश्य से प्रोजेक्ट अजा संचालित किया जा रहा है। इस योजना के तहत महिलाओं को पशुपालन के क्षेत्र में प्रशिक्षण और आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराए जा रहे हैं, जिससे वे आत्मनिर्भर बन सकें। गीता वर्मा को बिहान समूह के माध्यम से इस योजना की जानकारी मिली। इसके बाद उन्होंने 15 दिवसीय प्रशिक्षण प्राप्त कर बकरी पालन का व्यवसाय शुरू किया। जिला प्रशासन और बिहान की सहायता से उन्हें 10 बकरियां और 2 बकरे उपलब्ध कराए गए। वर्तमान में वे इस व्यवसाय से प्रतिवर्ष एक लाख रुपये से अधिक की आय अर्जित कर रही हैं। बकरी पालन के साथ-साथ गीता वर्मा मुर्गी पालन का कार्य भी कर रही हैं, जिससे उन्हें प्रतिवर्ष लगभग 30 से 40 हजार रुपये की अतिरिक्त आय प्राप्त होती है। इसके अलावा बकरियों से प्राप्त गोबर खाद से भी उन्हें सालाना 8 से 10 हजार रुपये तक की आय हो जाती है।

सरकार की संवेदनशील पहल से मुस्कुराईं माताएँ, सुरक्षित हो रहा बेटियों का भविष्य

अनीता ने महतारी वंदन की राशि बेटियों के सुकन्या समृद्धि खाते में किया जमा

श्रीकंचनपथ न्यूज

सुकमा । छत्तीसगढ़ शासन द्वारा महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण और सामाजिक सम्मान को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से प्रारंभ की गई महतारी वंदन योजना आज प्रदेश की लाखों महिलाओं के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन का माध्यम बन रही है। विशेष रूप से दूरस्थ और जनजातीय अंचलों तक योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन यह दर्शाता है कि राज्य सरकार और जिला प्रशासन विकास की मुख्यधारा से किसी को भी पीछे नहीं छोड़ना चाहते।

महतारी वंदन योजना का एक प्रेरणादायक उदाहरण सुकमा जिले के गोंगला गांव की निवासी वी. अनीता हैं। उनके लिए महतारी वंदन योजना केवल आर्थिक सहायता भर नहीं है, बल्कि यह आत्मसम्मान के साथ जीवन जीने की एक मजबूत आधारशिला बन गई है। शासन द्वारा प्रत्येक माह उनके खाते में अंतरित की जा रही राशि का उपयोग वे अपनी दोनों बेटियों दृश्या और उन्नति के उज्ज्वल भविष्य को सुरक्षित करने में कर रही हैं। अनीता अपनी बेटियों के सुकन्या समृद्धि योजना खातों में प्रतिमाह 500-500 रुपये जमा कर रही हैं। पहले उनके लिए नियमित बचत करना चुनौतीपूर्ण था, लेकिन अब यह कार्य सहज हो गया है। इससे न केवल बेटियों की उच्च शिक्षा और भविष्य की योजनाओं के लिए आर्थिक सुरक्षा सुनिश्चित हो रही है, बल्कि परिवार में आशा और विश्वास का वातावरण भी बना है।

अनीता ने सभी महिलाओं को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की बधाई देते हुए इस जनकल्याणकारी पहल के लिए प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के प्रति हृदय से आभार व्यक्त किया। उनका कहना है कि राज्य सरकार की इस पहल ने ग्रामीण और जनजातीय क्षेत्रों की महिलाओं में आत्मविश्वास और आत्मसम्मान की भावना को नई ऊर्जा दी है।

जिला प्रशासन सुकमा की सक्रियता और प्रतिबद्धता भी इस परिवर्तन की महत्वपूर्ण कड़ी है। प्रशासन द्वारा यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि शासन की योजनाओं का लाभ पारदर्शी और प्रभावी ढंग से अंतिम छोर तक पहुँच सके। योजनाओं के प्रति जागरूकता, समयबद्ध क्रियान्वयन और निरंतर निगरानी के माध्यम से प्रशासन ने यह सिद्ध किया है कि सुशासन का वास्तविक अर्थ आम नागरिकों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाना है।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर विधायक रिकेश सेन का बड़ा आयोजन : 22 हजार महिलाओं का हुआ सम्मान

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन द्वारा 'विधायक की शक्ति' योजना के अंतर्गत एक विशाल भव्य कार्यक्रम का आयोजन शांति नगर स्थित दशहरा मैदान में किया गया। इस ऐतिहासिक आयोजन में विधानसभा क्षेत्र की लगभग 22 हजार महिलाओं ने शिरकत की, जिन्हें विधायक ने सम्मानित कर उपहार भेंट किए।

कार्यक्रम के दौरान विधायक रिकेश सेन ने मंच से उन महिलाओं को विशेष रूप से सम्मानित किया जिन्होंने शिक्षा, समाज सेवा, स्वरोजगार और अन्य क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य कर समाज में अपनी एक अलग पहचान बनाई है। विधायक श्री सेन ने कहा कि महिलाएं समाज की असली शक्ति हैं। 'विधायक की शक्ति' योजना का उद्देश्य हर महिला को सशक्त, आत्मनिर्भर और सुरक्षित महसूस कराना है।

कार्यक्रम के दौरान उस वक्त सनसनी फैल गई जब विधायक रिकेश सेन ने अपनी सुरक्षा और निजी जीवन को लेकर एक बड़ा खुलासा किया। उन्होंने सार्वजनिक रूप से बताया कि पिछले 2 वर्षों से कुछ असामाजिक तत्व उनकी हत्या की साजिश रच रहे थे। उन्होंने मंच से इस साजिश में शामिल चेहरों और उनके मंसूबों का जिक्र करते हुए स्पष्ट किया कि वे जनता की सेवा से पीछे नहीं हटेंगे।

कार्यक्रम में मौजूद 22 हजार महिलाओं को स्मृति चिन्ह और विधायक की ओर से विशेष उपहार प्रदान किए गए। उपहार मिलने के बाद महिलाओं ने खुशी जाहिर की और विधायक की इस पहल को महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक बड़ा कदम बताया।

कार्यक्रम में भारी संख्या में स्थानीय जनप्रतिनिधि, प्रबुद्ध नागरिक और वैशाली नगर विधानसभा के लोग उपस्थित रहे।

सुरक्षा और उत्साह का माहौल

दशहरा मैदान में सुरक्षा के कड़े इंतजाम थे और महिलाओं के लिए बैठने व जलपान की समुचित व्यवस्था की गई थी। सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने समां बांधे रखा और देर शाम तक मैदान में उत्सव जैसा माहौल बना रहा।

नवा रायपुर को मिला तहसील का दर्जा, अब स्थानीय लोगों को मिलेगा बड़ा फायदा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। नवा रायपुर के निवासियों के लिए राहत भरी खबर है। अब जमीन, मुआवजा और अन्य राजस्व से जुड़े कामों के लिए उन्हें रायपुर शहर या आसपास की तहसीलों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। राज्य सरकार ने नवा रायपुर को नई तहसील बनाने की अधिसूचना जारी कर दी है।

नई व्यवस्था के तहत रायपुर जिले में अब रायपुर, मंदिर हसौद, अभनपुर, धरसींवा और तिल्दा-नेवरा के साथ नवा रायपुर भी तहसील के रूप में शामिल हो गया है। अब यहां के गांवों के लोगों को राजस्व और प्रशासनिक कार्यों के लिए दूर जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी और वे स्थानीय स्तर पर ही अपने काम करवा सकेंगे। राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग ने इस संबंध में अधिसूचना जारी की है।

नई तहसील के गठन से पहले इसकी सीमाओं को लेकर दावा-आपत्तियां भी आमंत्रित की गई थीं। प्राप्त आपत्तियों का निराकरण करने के बाद अंतिम रूप से तहसील के गठन की प्रक्रिया पूरी कर ली गई। नई तहसील में राजस्व निरीक्षक मंडल के 20 पटवारी हल्कों के कुल 39 गांवों को शामिल किया गया है। इनमें फ्लौद-परसदा, पलौद, रीको, सेंध, चींचा, बरौंदा, रमचंडी, कयाबांधा, झांझ, नवागांव, खपरी, कुहेरा, राखी, कोटनी, कोटराभाटा, तांदुल, छतौना, केंद्री, निमोरा, उपरवारा, तूता, झांकी, खंडवा, भेलवाडीह, पचेड़ा, तोरला, पाँता, बंजारी, तेंदुआ, कुरूं, सेरीखेड़ी, नकटी, टेमरी, धरमपुरा, बनरसी, कांदुल-माना सहित अन्य गांव शामिल हैं।

लोगों को होंगे कई फायदे

नई तहसील बनने से क्षेत्र के निवासियों को राजस्व और प्रशासनिक कार्यों के लिए दूर नहीं जाना पड़ेगा, जिससे समय और खर्च दोनों की बचत होगी। जमीन नामांतरण, खसरा सुधार, बंटवारा, डायवर्सन जैसे कार्यों के साथ ही मूल निवासी, जाति और आय प्रमाण पत्र बनवाने की प्रक्रिया भी आसान और तेज हो जाएगी। इसके अलावा प्रशासनिक व्यवस्था मजबूत होने से क्षेत्र में कानून व्यवस्था और विकास कार्यों को भी गति मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

खास खबर

पिकनिक मनाने गए दोस्तों में 1 युवक दर्री बांध में डूबा

कोरबा। कोरबा रविवार को छुट्टी के दौरान दर्री बांध के किनारे पिकनिक मनाने पहुंचे दोस्तों में एक युवक नहाते समय दर्री बांध में डूब गया। नगर सेना की टीम लापता युवक की खोजबीन में जुटी है। दर्री निवासी नौशाद खान रविवार को अपने तीन दोस्तों के साथ पिकनिक मनाने दर्री बांध के किनारे पहुंचा था। यहां सभी दोस्त बांध में उतरकर नहाने लगे। इसी दौरान नौशाद गहराई की ओर जाकर डूब गया। दोस्तों को लगा कि वह तैरकर निकलेगा, लेकिन जब देर तक वह पानी से बाहर नहीं आया तो वे हड़बड़ा गए। उन्होंने मदद के लिए आवाज लगाई तो कुछ लोग वहां पहुंचे, लेकिन पानी की गहराई में कोई नहीं उतरा। घटना की सूचना पुलिस को दी गई, जिसके बाद नगर सेना से टीम पहुंची। टीम ने बांध में लापता हो चुके नौशाद की खोजबीन शुरू कर दी है।

बाइक में फंसी साड़ी का पल्लू शिक्षिका की दर्दनाक मौत

खैरागढ़। छत्तीसगढ़ के खैरागढ़ जिले से एक दिल दहला देने वाली खबर सामने आई है। शहर के प्रतिष्ठित वेसलियन इंग्लिश मीडियम स्कूल की एक वरिष्ठ शिक्षिका की सड़क हादसे में जान चली गई। यह हादसा तब हुआ जब शिक्षिका अपने बेटे के साथ बाइक पर स्कूल जा रही थीं और अचानक उनकी साड़ी का पल्लू बाइक के पिछले चक्के में फंस गया। जानकारी के अनुसार, 48 वर्षीय शिक्षिका मर्सी बचइया रोज की तरह अपने बेटे के साथ बाइक पर सवार होकर स्कूल जा रही थीं। स्कूल पहुंचने से कुछ ही दूरी पहले अचानक उनकी साड़ी का पल्लू बाइक के पिछले पहिये की चपेट में आ गया। पल्लू खिंचने की वजह से शिक्षिका अनियंत्रित होकर सिर के बल सड़क पर गिर पड़ीं। हादसे के तुरंत बाद उन्हें गंभीर हालत में जिला अस्पताल खैरागढ़ ले जाया गया। सिर में गंभीर अंदरूनी चोट होने के कारण डॉक्टरों ने उन्हें प्राथमिक उपचार के बाद दुर्ग के एक निजी अस्पताल रेफर कर दिया। स्थिति में सुधार न होने पर उन्हें रायपुर एम्स में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान उन्होंने अंतिम सांस ली।

घर खाली करने को लेकर विवाद, गुस्साए पति ने पत्नी को उतारा मौत के घाट

बिलासपुर। बिलासपुर जिले से महिला की हत्या की सनसनीखेज वारदात सामने आई है मकान मालिक के घर खाली करने की बात से नाराज आरोपी पति ने अपना सारा गुस्सा अपनी पत्नी पर निकाला। बेरहमी से मारपीट करते हुए पत्नी की हत्या कर दी। मृतिक की पहचान 37 साल पुष्पलता यादव के रूप में हुई। पूरा मामला सिविल लाइन थाना इलाके का है। जानकारी के मुताबिक, घटना रविवार दोपहर के करीब की बताई जा रही है। पुष्पलता अपने पति युवराज यादव के साथ नेहरू नगर में किराए के मकान में रहती थी। सुबह मकान मालिक ने उन्हें घर खाली के लिए कहा था। इसी बात पर पति-पत्नी के बीच विवाद हुआ। आरोपी पति ने गाली देते हुए मामला मारपीट करने लगा। बाथरूम के पास उसने पत्नी का सिर जोर से पटक दिया। सिर और चेहरे पर गंभीर चोट लगने के कारण पुष्पलता यादव की मौके पर ही मौत हो गई। शव को पंचनामा कार्रवाई के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मौके पर एफएसएल टीम भी मौके पर पहुंची है। आरोपी की तलाश के लिए पुलिस जुट गई है।

लिफ्ट के बहाने महिला से छेड़छाड़ और लूट

कांकेर। उत्तर बस्तर कांकेर जिले में एक महिला को लिफ्ट लेना भारी पड़ गया। ईको वैन में बैठी महिला के साथ आरोपियों ने पहले छेड़छाड़ की, फिर उससे मोबाइल, पर्स और नकदी लूट ली। महिला के विरोध करने पर उसे चलती गाड़ी से नीचे फेंक दिया गया। सनसनीखेज वारदात के बाद पुलिस ने तेजी दिखाते हुए घेराबंदी कर आरोपियों को पकड़ लिया। पकड़े गए आरोपियों में एक आदतन अपराधी भी शामिल है, जो पहले हत्या जैसे जघन्य मामले में जेल की सजा काट चुका है। साथ ही वह एक अन्य मामले में भी फरार चल रहा था।

अधेड़ पड़ोसी ने 13 साल की नाबालिग से किया दुष्कर्म

श्रीकंचनपथ न्यूज

जशपुर। छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले में मानसिक रूप से कमजोर 13 साल की नाबालिग से दुष्कर्म का मामला सामने आया है। यह जघन्य कृत्य पड़ोस में रहने वाले 55 वर्षीय अधेड़ द्वारा किया गया। मामला सामने आने के बाद पुलिस ने इसे गंभीरता से लिया और आरोपी अधेड़ को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी के खिलाफ पुलिस ने बीएनएस की धारा 64(1)65(1) व 4 पॉस्को एक्ट के तहत् अपराध पंजीबद्ध कर कार्रवाई की गई है। मामला जिले के दुलदुला थाना दुक्षेत्र का है।

इस मामले में पीड़ित बालिका की बड़ी मां ने थाना दुलदुला में एक दिन पहले रिपोर्ट दर्ज कराया था। अपनी शिकायत में उसने बताया कि उसकी नाबालिक भतीजी उसके के साथ ही रहती है, व मानसिक रूप से कमजोर है। 7 मार्च 26 को जब वह मजदूरी करने गई हुई थी, उसकी मानसिक रूप से कमजोर नाबालिक भतीजी घर में अकेली थी। जब शाम को अपने काम से वापस लौटी, नाबालिक बालिका ने अपनी बड़ी मां को बताया कि उसके पड़ोस का नाना उसे अपने घर के पास के गौशाला ले गया और दुष्कर्म किया।

मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए पुलिस ने प्रार्थिया, जो कि पीड़ित नाबालिक बालिका की बड़ी मां है, की रिपोर्ट पर, तत्काल थाना दुलदुला में बी एन एस की धारा 64(1)65(1) व 4 पॉस्को एक्ट के तहत् अपराध पंजीबद्ध कर जांच विवेचना में लिया गया व पीड़ित नाबालिक बालिका का मेडिकल, स्वास्थ्य परीक्षण भी कराया गया। पुलिस ने त्वरित कार्यवाही करते हुए 55 वर्षीय आरोपी को हिरासत में ले लिया गया, पुलिस की अग्रिम कार्यवाही जारी है।

सड़क पर स्टंट करने वाले पिकअप ड्राइवर पर जुर्माना

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। कोरबा पुलिस ने सड़क पर खतरनाक तरीके से वाहन चलाने वाले पिकअप चालक पर कार्रवाई की है। सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने चालक को ढूंढ निकाला और मोटर व्हीकल एक्ट के तहत 4500 रुपए का जुर्माना लगाया।

यह घटना पिछले दिनों कोरबा शहर के व्यस्त टीपी नगर से पावर हाउस रोड की ओर जाते समय हुई थी। पिकअप चालक टाटा मैजिक वाहन को लहराते हुए चला रहा था, जिससे अन्य वाहन चालकों को परेशानी हो रही थी।

वाहन सोनालिया चौक से होते हुए टीपी नगर और फिर बुधवारी तक खतरनाक ढंग से चला। किसी व्यक्ति ने इस घटना का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर अपलोड कर दिया, जो तेजी से वायरल हो गया। शुरुआत में वाहन की पहचान करना मुश्किल था क्योंकि पिकअप पर आगे और पीछे नंबर प्लेट नहीं दिख रही थी। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज और स्थानीय लोगों से मिली जानकारी के आधार पर वाहन चालक का पता लगाया।

एसपी सिद्धार्थ तिवारी ने वायरल वीडियो का संज्ञान लिया और तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। यातायात एएसआई मनोज राठौर और उनकी टीम ने वाहन को जब्त किया। चालक की पहचान मनीष तिवारी, पिता नरेंद्र तिवारी, निवासी सीतामणी के रूप में हुई।

मनीष तिवारी के खिलाफ यातायात थाने में मोटर व्हीकल एक्ट की अलग-अलग धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया। उस पर खतरनाक ड्राइविंग के लिए 2000 रुपए, बहुरंगी लाइट लगाने के लिए 2000 रुपएऔर सीट बेल्ट का उपयोग न करने के लिए 500 रुपए का जुर्माना लगाया गया।

एसपी सिद्धार्थ तिवारी ने कहा कि सड़कें सुगम आवागमन के लिए हैं, स्टंट के लिए नहीं, और नियमों का उल्लंघन करने वालों पर लगातार कार्रवाई जारी रहेगी।

वेदव्यास क्षेत्र में मिली युवती की लाश की पहचान नहीं हुई

श्रीकंचनपथ न्यूज

राउरकेला। राउरकेला के वेदव्यास क्षेत्र में बरामद युवती के शव की अब तक पहचान नहीं हो सकी है। ब्राह्मणी तरंग थाना क्षेत्र में मिले इस शव को पोस्टमार्टम के बाद सुरक्षित रखा गया है, लेकिन 36 घंटे से अधिक समय बीत जाने के बावजूद युवती की शिनाख्त नहीं हो पाई है।

पुलिस के अनुसार युवती की उम्र करीब 22 से 23 वर्ष के बीच बताई जा रही है। आशंका जताई जा रही है कि उसकी हत्या कहीं और कर शव को यहां लाकर फेंक दिया गया। घटना की जांच के लिए पुलिस ने स्निफर डॉग और वैज्ञानिक टीम के साथ घटनास्थल का निरीक्षण किया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का पता चल सकेगा।

बताया जा रहा है कि युवती का शव वेदव्यास समिल चौक से लगभग 200 मीटर दूर एक स्कूल के पीछे झाड़ियों के पास मिला था। शव मिलने के बाद पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई। फिलहाल पुलिस मामले की गहन जांच में जुटी हुई है।

नाबालिग ने दोस्तों के साथ मिलकर खुद को करवाया किडनैप

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले में एक नाबालिग के अपहरण की झूठी शिकायत की वजह से म्यूल खाता के सौदों के नेटवर्क का खुलासा हुआ है। पहले नाबालिग ने अपने अपहरण की झूठी कहानी बताकर परिजनों से पैसे मांगे। कहा कि अपहरण करने वाले लोग उससे तीन लाख रुपए मांग रहे हैं। बाद में बातचीत के दौरान यह रकम 50 हजार रुपए तक आ गई। इस कॉल के बाद उसके भाई आशीष ठाकुर ने तुरंत भिलाई तीन थाना पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। परिजनों ने पुलिस में शिकायत की। बाद में नाबालिग ने कहा कि किडनैपरों ने उसे छोड़ दिया है।

लेकिन पुलिस को इस पूरी कहानी पर शक हुआ। पुलिस ने नाबालिग से पूछताछ की। जिसके बाद पता चला कि नाबालिग म्यूल खाता खरीदकर उसे बेचने का काम करता था। इस बार भी वह म्यूल खाता बेचने धनबाद गया था। जहां से यह पूरी कहानी निकलकर सामने आई है। पुलिस ने इस मामले में धनबाद और झारसुगुड़ा से दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। मामले में अभी दो आरोपी फरार बताए जा रहे हैं। गिरफ्तार आरोपियों को आज कोर्ट में पेश किया जाएगा।

अपरहरण का मामला दर्ज कर पुलिस ने शुरू की थी जांच

3 मार्च को नाबालिग अपने घर में दोस्त की शादी में शामिल होने के नाम पर घर से निकला था। 4 मार्च को नाबालिग ने धनबाद से अपने बड़े भाई को वाट्सएप कॉल कर बताया कि उसका अपहरण हो गया है। पुलिस ने नाबालिग के बड़े भाई आशीष ठाकुर की शिकायत पर अपहरण का केस दर्ज किया था। लेकिन जांच के दौरान मामला पूरी तरह बदल गया। पुलिस की पूछताछ में नाबालिग ने खुद बताया कि उसने अपने दोस्तों के साथ मिलकर यह पूरी कहानी बनाई थी। इसके बाद पुलिस बीएनएस की धारा 3(5), 318(4) और 62 के तहत मामला दर्ज कर लिया है।

पुलिस के मुताबिक नाबालिग म्यूल खाते खरीदने और बेचने का काम करता था। म्यूल खाते ऐसे बैंक खाते होते हैं जिनका इस्तेमाल ऑनलाइन ठगी या संदिग्ध पैसों के लेन-देन में किया जाता है। इस बार वह खाते बेचने के लिए धनबाद गया था। लेकिन वहां जिन लोगों से उसकी बात हुई थी, उन्होंने खाते लेने से मना कर दिया। इतना ही नहीं, उन्होंने पहले दिए गए एडवांस पैसे भी वापस मांगने शुरू कर दिए। नाबालिग ने पुलिस को बताया कि पैसे लौटाने का दबाव बढ़ने लगा था। उसे डर लगने लगा कि अगर पैसे वापस नहीं किए तो परेशानी बढ़ सकती है। इसी वजह से उसने अपने दोस्तों के साथ मिलकर अपने ही अपहरण की कहानी बनाने की योजना बनाई।

धनबाद के लिए निकली टीम, बाद में कहा छोड़ दिया

शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने मामले को गंभीरता से लिया और नाबालिग की लोकेशन के आधार पर टीम को धनबाद के लिए रवाना कर दिया। इसी दौरान नाबालिग ने दोबारा फोन कर बताया कि उसे छोड़ दिया गया है और वह घर लौट रहा है। पुलिस को संदेह हुआ। पुलिस ने रास्ते में ही नाबालिग को रोक लिया और उससे पूछताछ शुरू की। बाद में सच्चाई सामने आने लगी। इसके बाद पुलिस नाबालिग को लेकर धनबाद गई और घटना से जुड़े स्थानों की जांच की। जांच के दौरान पुलिस ने दो आरोपियों को हिरासत में ले लिया। उनसे पूछताछ की जा रही है, जबकि दो अन्य आरोपी अभी फरार बताए जा रहे हैं।

शादीशुदा महिला से घर में घुसकर छेड़छाड़, विरोध करने पर मारपीट

अश्लील मैसेज और फोन कॉल से करता था परेशान, आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ में शादीशुदा महिला से छेड़छाड़ की गई है। इंस्टाग्राम पर हुई पहचान का फायदा उठाकर युवक महिला के घर में घुस गया और गंदी हरकत करते हुए छेड़छाड़ करने लगा। विरोध करने पर आरोपी ने गाली-गलौज की और हाथ-मुक्कों से मारपीट कर दी। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

मामला जूटमिल थाना क्षेत्र का है। 29 वर्षीय महिला ने थाना में आवेदन देकर रिपोर्ट दर्ज कराई है, जिसमें बताया गया है कि करीब तीन साल पहले इंस्टाग्राम के माध्यम से उसकी पहचान बाराद्वार के वार्ड नंबर 10 सोसायटी रोड निवासी 27 वर्षीय शुभम यादव से हुई थी।

पहचान के बाद दोनों के बीच सोशल मीडिया पर बातचीत होने लगी। कुछ समय बाद शुभम इंस्टाग्राम पर अश्लील मैसेज भेजने लगा और गाली-गलौज करने लगा। इससे परेशान होकर पीड़िता ने बातचीत बंद कर दी थी। इसके बाद भी आरोपी लगातार पीड़िता और उसके घर के मोबाइल नंबर पर फोन कर बात करने के लिए परेशान करता रहा।

घर में घुसकर शुरू की छेड़छाड़

शनिवार सुबह करीब साढ़े 11 बजे पीड़िता का पति बच्चों को लेने स्कूल गया था। उस समय महिला घर में खाना बना रही थी। इसी दौरान दरवाजा खुलने की आवाज सुनकर वह बाहर निकली तो देखा कि शुभम यादव घर के हाल में घुस चुका था। महिला ने उसे डांटकर बाहर जाने को कहा, लेकिन आरोपी ने गंदी नीयत से धक्का देकर छेड़छाड़ शुरू कर दी।

विरोध करने पर मारपीट कर भागा आरोपी

महिला ने विरोध करते हुए शोर मचाया और अपने पति को फोन करने लगी। इस पर शुभम ने गाली-गलौज की और हाथ-मुक्कों से मारपीट कर वहां से भाग गया। पीड़िता की रिपोर्ट पर महिला थाना में आरोपी के खिलाफ धारा 331(1), 74, 75(1), 115(2) बीएनएस के तहत अपराध दर्ज कर जांच शुरू की गई।

मामले की गंभीरता को देखते हुए जूटमिल पुलिस टीम ने पुलिस लाइन स्टाफ के साथ बाराद्वार में दबिश दी। आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई, जहां उसने अपराध स्वीकार कर लिया। इसके बाद उसे गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया। जहां से उसे न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है।

एसएसपी बोले- महिलाओं की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता

एसएसपी शशि मोहन सिंह ने कहा कि महिलाओं की सुरक्षा रायगढ़ पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता है। छेड़छाड़, अभद्र व्यवहार या सोशल मीडिया के माध्यम से परेशान करने वाले आरोपियों पर सख्त कानूनी कार्रवाई होगी। पीड़िताएं बिना संकोच पुलिस से संपर्क करें, तत्काल कार्रवाई की जाएगी।

जांजगीर-चांपा में पिकअप-बाइक की टक्कर, एक युवक की मौत

श्रीकंचनपथ न्यूज

जांजगीर-चांपा। जांजगीर-चांपा जिले के सेमरा-अवरिद गांव में पिकअप और बाइक के बीच आमने-सामने की टक्कर हो गई। इस हादसे में 19 वर्षीय अभिषेक कश्यप की मौत हो गई। घटना नवागढ़ थाना क्षेत्र की है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, मृतक अभिषेक कश्यप ग्राम भैंसों मदनपुर का निवासी था। वह अपनी मां को अवरीद गांव में एक रिश्तेदार के यहां शादी समारोह में छोड़ने गया था। मां को छोड़ने के बाद वह अपने घर वापस लौट रहा था।

इसी दौरान सेमरा की ओर से आ रहे एक तेज रफ्तार पिकअप वाहन ने लापरवाही से चलाते हुए सामने से आ रही बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक सवार अभिषेक कश्यप सड़क किनारे जा गिरा और गंभीर रूप से घायल हो गया।

पिकअप और बाइक जब्त

आस-पास मौजूद लोगों ने तुरंत घायल अभिषेक को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) नवागढ़ पहुंचाया। हालांकि, डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही नवागढ़ पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने घटनास्थल से पिकअप वाहन और बाइक दोनों को जब्त कर लिया है। पिकअप चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है।

पीएम के बाद सौंपा गया शव

पुलिस ने मृतक अभिषेक कश्यप के शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम कराया। पोस्टमार्टम के बाद शव अंतिम संस्कार के लिए परिजनों को सौंप दिया गया है। पुलिस मामले की आगे की जांच कर रही है।

कलचा गांव में दो युवकों की नृशंस हत्या

जगदलपुर। नगर से सटे ग्राम कलचा में बीती देर रात दो युवकों की नृशंस हत्या कर दी गई। सूत्रों के मुताबिक होली के दिन हुई लड़ाई की रंजिश में मड़ई की रात हत्या की वारदात को अंजाम दिया गया। हत्या की वारदात में चार लोगों की लिप्तता की बात सामने आई है। नगरनार थाना क्षेत्र के ग्राम कलचा में देर रात हुए दोहरे हत्याकांड से इलाके में सनसनी फैल गई। ग्राम साड़गुड़ निवासी उमेश बघेल और रोहित बघेल की हत्या की गई है। आरोपियों में एक नाबालिग भी शामिल है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार होली के दिन मृतक उमेश बघेल और रोहित बघेल के साथ आरोपियों का झगड़ा हुआ था। इसी रंजिश में आरोपियों ने उमेश और रोहित को मार डाला। वहीं कुछ लोग यह भी बता रहे हैं कि वारदात की वजह प्रेम प्रसंग है। यह भी पता चला है कि पुलिस ने कुछ आरोपियों को पकड़ लिया है। ग्राम कलचा जगदलपुर शहर के करीब स्थित है और यह बस्तर सांसद महेश कश्यप का यह गृहग्राम भी है। कल ही ग्राम पंचायत कलचा में मंडई आयोजित किया गया था। स्थानीय विधायक किरण देव और बस्तर राज परिवार के सदस्य कमलचंद्र भंजदेव भी ग्रामीणों के आमंत्रण पर मड़ई में शामिल होने ग्राम कलचा पहुंचे थे।

चाकूबाजी : 4 को जेल भेजा 2 किशोर को भी धरदबोचा

कोरबा। सीतामणी क्षेत्र में चाकूबाजी करने वाले 4 आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। वहीं मामले में आरोपियों के दो नाबालिग साथी को भी पकड़ा है। सिटी कोतवाली टीआई एमबी पटेल ने बताया कि आरोपियों में पिंटू सागर उर्फ सुनील (20) निवासी मोतीसागर पारा, राकेश दास (23), गिरीराज शर्मा उर्फ बिट्टू (22) व लव शुक्ला (22) तीनों निवासी ईमलीडुग्गू है। घटना में उनके दो नाबालिग भी साथी है। आरोपियों ने 4 मार्च को घर से दुकान जा रहे धनसिंह पर ईंट-पत्थर और चाकू से हमला कर दिया। हमले में धनसिंह गंभीर रूप से घायल हो गया था। मामले में एक अन्य आरोपी फरार है, जिसकी तलाश की जा रही है।

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव 25 वर्षों का उत्सव वर्षों का संकल्प

मुख्यमंत्री ग्रामीण बस योजना

श्री विष्णु देव साय
माननीय मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

अब सहज हुई यात्रा

पहली बार बस्तर और सरगुजा के सुदूर गांवों तक पहुंची बस सेवा

RO-45320/7

हमसे जुड़ने के लिए QR स्कैन करें

छत्तीसगढ़ जनसंपर्क

सुशासन से समृद्धि की ओर

ChhattisgarhCMO DPRChhattisgarh www.dprcg.gov.in

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950